दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

dainiksandhyaprakash.in

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

वर्ष 52/ अंक 206/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 भोपाल, मंगलवार 7 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

प्रदेश में होली की धूम भोपाल में गोकाष्ठ से होलिका दहन को प्राथमिकता

भोपाल। प्रदेश में होली के त्यौहार की धूम शुरू हो गई है। भोपाल में आज दो हजार स्थानों पर होलिका का दहन होगा। ज्यादातर स्थानों पर गोकाष्ठ से होलिका का दहन किया जाएगा। इसके लिए वृक्ष मित्र सुनील दुबे, पर्यावरण वैज्ञानिक योगेंद्र सक्सेना अभियान चला रहे हैं। 8 मार्च को होली खेली जाएगी। पुराने शहर में हिंदू उत्सव समिति चल समारोह भी निकालेगी। कोलार, बैरागढ़, रायसेन रोड, होशंगाबाद रोड, बावड़ियाकलां समेत कई जगहों पर चल समारोह निकलेंगे। इंदौर में राजबाड़ा और ग्वालियर में सनातन धर्म मंदिर पर कल रात होली जलाई गई। जबलपुर, सागर, रीवा में आज होलिका दहन होगा। 28 साल में ऐसा दूसरी बार है, जब दो दिन होलिका दहन हो रहा है।

सांध्यप्रकाश विशेष

Bill Gates meets Mumbai teen who created history at bridge championship: I'm your guy

Microsoft co-founder Bill Gates met Anshul Bhatt, a Class 9 student from Mumbai, who made history last year by becoming the youngest winner at the World Youth Bridge Championship in Italy. The billionaire philanthropist, who it seems shares his love for cards, met the teenager during his visit to India.

"It was fun meeting Anshul and picking his brain about our favourite pastime. Anshul, if you're ever looking for a new bridge partner, I'm your guy," Gates wrote on Instagram, sharing a short clip of his meeting with the Indian boy. "We talked about how we both like to play online and what it feels like to be the youngest player at the table," Gates said. "Looking forward to playing bridge with you soon."

दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े केस में बिजनेसमैन अरुण पिल्लई गिरफ्तार, ईडी ने की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े केस में हैदराबाद के बिजनेसमैन अरुण पिल्लई को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मामले में ही बीते दिनों सीबीआई ने दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। सात दिनों की सीबीआई हिरासत के बाद फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में भेज दिए गए हैं।

दिल्ली आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सिसोदिया को 20 मार्च तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सोमवार को सिसोदिया को सीबीआई की रिमांड खत्म होने पर राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया था। सुनवाई के बाद सिसोदिया को पुलिस सुरक्षा के बीच तिहाड़ जेल ले जाया गया। उन्हें गीता, डायरी और पेन रखने की इजाजत दी है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दवाएं रखने की भी इजाजत मिली है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े एक केस में व्यवसायी और ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अमनदीप ढल को भी गिरफ्तार किया है। उन्हें दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बीते गुरुवार को इसकी जानकारी दी थी।

कोविड की तरह फैलता है एच3एन2 इन्फ्लूएंजा

एम्स के पूर्व निदेशक गुलेरिया ने कहा- मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी, बुजुर्ग सावधान रहें

एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने देश में फैल रहे एच3एन2 इन्फ्लूएंजा से लोगों को सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह कोरोना के जैसी ही फैलता है। इससे बचने के लिए मास्क पहनें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और बार-बार हाथ धोते रहें। बुजुर्गों और पहले से ही किसी बीमारी से परेशान लोगों को इससे ज्यादा परेशानी हो सकती है।

उधर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को हेल्थ एक्सपर्ट्स के साथ एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की। इसमें एक्सपर्ट्स ने कहा कि देश में कोरोना के मामले कम हुए हैं, लेकिन फ्लू के मामले बढ़ रहे हैं। यह फ्लू कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक्सपर्ट्स ने इससे बचने के लिए भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क पहनने की सलाह दी है।

देश में दो महीने से बढ़ रहे इन्फ्लूएंजा के मामले- पिछले दो महीने से राजधानी दिल्ली समेत भारत के कई हिस्सों में इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद फ्लू के बढ़ते मामलों से लोगों में डर है, क्योंकि इससे जूझ रहे मरीजों में कोरोना जैसे ही लक्षण देखने को मिल रहे हैं। बीते कुछ दिनों में दिल्ली और आसपास के इलाकों से कई ऐसे मरीज अस्पताल पहुंचे हैं, जो 10-12 दिनों से तेज बुखार के साथ खांसी से परेशान हैं।

आईसीएमआर की रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले दो-तीन महीनों से इन्फ्लूएंजा वायरस का एक सब-टाइप एच3एन2 फैल रहा है। देश के कई हिस्सों में लोगों में इसी स्ट्रेन के लक्षण मिले हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि बाकी सब-टाइप्स की तुलना में इस वैरिएंट की वजह से लोग अस्पतालों में ज्यादा भर्ती होते हैं।

मरीजों में दिख रहे सिरदर्द, खांसी, बुखार जैसे लक्षण- मेदांता हॉस्पिटल के आंतरिक चिकित्सा विभाग की सीनियर डायरेक्टर सुशीला कटारिया ने कहा कि ये मरीज इन्फ्लुएंजा-ए वायरस के एच3एन2 स्ट्रेन से संक्रमित हैं। फ्लू के मरीज को 2-3 दिनों तक तेज बुखार बना रहता है। शरीर में दर्द, सिरदर्द, गले में जलन इसके अलावा मरीज में लगातार दो हफ्ते तक खांसी होती है। ये फ्लू के सामान्य लक्षणों में गिने जाते हैं।

मरीजों को हो रहीं ब्रॉन्काइटिस जैसी फेफड़ों की गंभीर बीमारियां- प्राइमस स्लीप एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग के प्रमुख एस.के. छाबड़ा ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मरीजों में वायरल फीवर के साथ, सर्दी, खांसी और ब्रॉन्काइटिस जैसी फेफड़ों से जुड़ी गंभीर समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वहीं, सीने में जकड़न और वायरल इंफेक्शन के मामले भी देखे जा रहे हैं।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने बताया- इन्फ्लूएंजा हो तो क्या करें...

- फेस मास्क पहनें और भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें
- हाथों को नियमित रूप से पानी और साबुन से धोते रहें।
- नाक और मुंह छून से बचें।
- खांसते या छींकते समय नाक और मुंह को अच्छी तरह कवर करें।
- खुद को हाइड्रेट रखें, पानी के अलावा फ्रूट जूस या अन्य पेय पदार्थ लेते रहें।
- बुखार आने की स्थिति में पैरासिटामोल लें।

कॉनराड संगमा ने मेघालय सीएम की शपथ ली

पीएम मोदी और अमित शाह मंच पर मौजूद रहे

शिलांग। कॉनराड संगमा ने मंगलवार को दूसरी बार मेघालय के सीएम पद की शपथ ली। इस मौके पर पीएम मोदी और अमित शाह भी मौजूद रहे। राज्यपाल फागू चौहान ने संगमा के साथ 12 मंत्रियों को भी शपथ दिलाई। एनपीपी के स्निआवभलंग धर और प्रिस्टोन तेनसोंग ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। मंत्रिमंडल में भाजपा के एलेक्जेंडर लालू हेक को भी शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी मौजूद रहे। वहीं, नगालैंड में नेफ्यू रियो ने पांचवे कार्यकाल के लिए शपथ ली। यहां भी मोदी और शाह मौजूद रहे।

ओला-बारिश से फसलें बर्बाद बिजली गिरने से दो की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज आंधी से फसलें बर्बाद हो गई हैं। मंदसौर, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, भोपाल समेत कई जिलों में गेहूं-चने की फसलें बिछ गई हैं। सरकार ने सर्वे भी शुरू करा दिया है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन यानी 9 मार्च तक तेज आंधी के साथ बारिश और ओले गिरने की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो मार्च में पिछले 12 साल से बारिश का ट्रेंड रहा है। 2006 में एक ही दिन में पौने 2 इंच (44.7 मिमी) बारिश हुई थी। मंगलवार को भी भोपाल, इंदौर समेत करीब 30 जिलों में बारिश के आसार हैं।

प्रदेश में पिछले 3 दिन से मौसम बदला हुआ है। प्रदेश में लगभग आधे जिले तरबतर हो गए हैं। सोमवार को राजधानी में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। मंदसौर शहर, मंदसौर जिले के पिपलियामंडी और मल्हारगढ़ में मक्के के आकार के ओले गिरे। यहां फसलों की डोडियां टूट गईं। अफीम की फसल पानी में धुलने से पत्ते भी टूट गए। रतलाम के नगरा, प्रीतमनगर सहित कई इलाकों में ओले गिरने से फसलें झुक गईं। नीमच में डेढ़ घंटे में डेढ़ इंच बारिश हुई। यहां सड़कों पर बारिश का पानी बह निकला। जिले में कई स्थानों पर ओले भी गिरे। फसलों को नुकसान पहुंचा है। राजगढ़, उज्जैन, छिंदवाड़ा, विदिशा में भी बारिश हुई। बिजली गिरने से शाजापुर और उज्जैन जिले में दो मौतें भी हुई हैं।

किसान संघ ने तत्काल राहत की मांग की

भारतीय किसान संघ की मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि पूरे प्रदेश में कई जगह बेमौसम ओले एवं बारिश हुई है, जिसकी वजह से कई जगह खड़ी फसलों को भारी नुकसान हुआ है। अन्नदाता की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है। इस संकट की घड़ी में भारतीय किसान संघ किसानों के साथ खड़ा है। संघ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से अपील की है कि किसानों के हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए और नुकसान का सही आंकलन कर राष्ट्रीय आपदा कोष से हुए नुकसान की राहत राशि तत्काल वितरित की जाए। साथ ही बीमा कंपनी को भी निर्देशित किया जाए कि बीमा के प्रावधानों के तहत नुकसान का अग्रिम भुगतान भी किसानों को तुरंत किया जाए।

सरकार किसानों के साथः चौहान

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश और आलों के कारण फसल खराब होने पर किसानों से कहा है कि सरकार किसानों के साथ है। तत्काल नुकसान का आंकलन कर किसानों को राहत प्रदान की जाएगी, इस आशय के निर्देश अधिकारियों को दे दिए गए हैं।

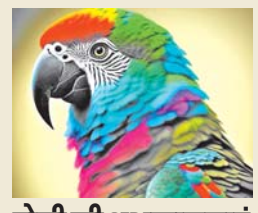

होली की शुभकामनाएं

दैनिक सांध्यप्रकाश के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं समस्त देश-प्रदेश वासियों को होली की रंग भरी शुभकामनाएं। हम मिलजुल कर त्यौहार मनाएं।

- संपादक

अवकाश सूचना

होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में दैनिक सांध्यप्रकाश दिनांक 8 एवं 9 मार्च 2023 को अवकाश ग्रहण करेगा। अगला अंक दिनांक 10 मार्च को प्रकाशित होगा।

- प्रबंधक

बेटी मीसा भारती केघर पर सीबीआई की लालू यादव से पूछताछ

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन मामले में सीबीआई आज लालू प्रसाद यादव से पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बाद सीबीआई आज राजद प्रमुख व पूर्व रेल मंत्री से पूछताछ करने पहुंची है। टीम लालू-राबड़ी की पुत्री सांसद डॉ. मीसा भारती के दिल्ली स्थित आवास पर लालू से पूछताछ करने पहुंची है। किडनी ट्रांसप्लांट कराने के बाद सिंगापुर से लौटे लालू, बेटी मीसा के आवास पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। लालू से पूछताछ करने पहुंची टीम में तीन सदस्य हैं।

दिल्ली शराब घोटालाः सिसोदिया से तिहाड़ में ईडी की पूछताछ

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मनीष सिसोदिया से पूछताछ करने वाली है। ईडी सिसोदिया से मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में ही पूछताछ करने पहुंच गई है। इसके पहले श्रेष्ठ सिसोदिया का बयान रिकॉर्ड करने के लिए राउज एवेन्यू कोर्ट से इजाजत मांगी थी। रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से श्रेष्ठ के सवालों की लिस्ट भी बताई गई है।

उधर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने सिसोदिया को लेकर कहा- आज मैं चिंतित हूं तो देश के लिए, सिसोदिया या सत्येंद्र जैन के लिए नहीं। वे दोनों बहुत बहादुर हैं, देश के लिए जान भी दे सकते हैं। जेल की कोठरी सिसोदिया के हौसले नहीं तोड़ पाएगी।

महिला दिवसः महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली सीएम की सुरक्षा

भोपाल। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर मंगलवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सुरक्षा का प्रबंधन सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) क्राइम ब्रांच बिट्टू शर्मा के नेतृत्व में महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम ने किया। बिट्टू मंगलवार को मुख्यमंत्री के काफिले की प्रभारी थीं, वहीं रिजर्व निरीक्षक इरशाद अली मुख्यमंत्री का सरकारी वाहन चला रही थीं। पायलट कार की कमान साइबर सेल की निरीक्षक रेणु मुराब ने संभाली और निरीक्षक अर्चना तिवारी ने वीआईपी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उनके अलावा महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम ने भी मुख्यमंत्री को विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा मुहैया कराने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा श्रीमती बिंदु सुनील सहायक संचालक/ पीआरओ जनसंपर्क, श्रीमती भावना जायसवाल फोटोग्राफर संलग्न हैं।

पुष्पेंद्र पाल सिंह नहीं रहे, मुख्यमंत्री ने निवास पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यम में रोजगार और निर्माण के प्रधान संपादक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल के पूर्व प्राध्यापक, छात्रों के बीच लोकप्रिय पीपी सर पुष्पेंद्र पाल सिंह का गत रात हार्ट अटैक से निधन हो गया।

पुष्पेंद्र पाल सिंह पब्लिक रिलेशंस सोसायटी आफ इंडिया के मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष भी थे। माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में उन्होंने अनगिनत छात्रों को पढ़ाई के अलावा उपयुक्त रोजगार दिलाने में मदद की और मार्गदर्शन दिया। साहित्यिक- सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उनका गहरा लगाव था। पुष्पेंद्र पाल की प्राथमिक शिक्षा अनूपपुर में हुई थी। अंतिम संस्कार आज दिन में भदभदा स्थित विश्राम घाट पर किया गया।

शोक संवेदनाओं का तांता- श्री सिंह के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं दिग्विजय सिंह, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जनसंपर्क आयुक्त राघवेंद्र सिंह, जनसंपर्क संचालक आशुतोष प्रताप सिंह सहित जनसंपर्क एवं माध्यम के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों, भोपाल प्रेस क्लब, मध्य क्षेत्र जर्नलिस्ट एसोसिएशन व अन्य कई संगठनों ने ने शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने दुःख व्यक्त किया

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश माध्यम के महाप्रबंधक पुष्पेंद्र पाल सिंह के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ट्विट कर कहा कि श्री सिंह अपने कार्यों और विचारों से हमारे हृदय में बने रहेंगे। श्री चौहान ने कहा कि श्री पुष्पेंद्र पाल सिंह अपने आप में पत्रकारिता का संस्थान थे। उन्होंने पत्रकारिता के अनेक विद्यार्थी गढ़े। विद्यार्थियों के बीच वे पीपी सर के नाम से लोक प्रिय थे। श्री पुष्पेंद्र पाल सिंह का असमय जाना किसी क्षति से कम नहीं है। उन्होंने दी गई जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक पूरा किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से पुष्पेन्द्रपाल सिंह को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

साधू वासवानी स्कूल में सुरक्षित होली कैसे मनाएं, सेमीनार का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी आडिटोरियम में सुरक्षित होली मनाने हेतु सेमीनार का आयोजन किया गया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए होली पर्व को किस प्रकार सुरक्षित तरीके से मनाया जाए सेमीनार पर अपने विचार रखते हुए बताया कि होली का पर्व आपसी प्रेम व सौहार्द का पर्व है अत: इस पर्व पर कैमीकल युक्त रंगों से होली न खेलकर फूलों व गुलाल से होली खेलें क्योंकि रंगों में कैमीकल होता है जो हमारी त्वचा व आंखों को नुकसान पहुंचाता है साथ ही पानी का भी दुरुपयोग करने से बचें, क्योंकि जल है तो कल है अर्थात जल ही जीवन है। इस अवसर पर शिक्षिकाओं ने भी अपने-अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य रुप से दीपा आहूजा, जीजी जैमन, भूमि हेमनानी, जूही चेलानी कांता खैराजानी, दीप्ती वाधवानी, भारती संभवानी आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संस्कार स्कूल के पूर्व छात्र दीपेश का चयन होने पर किया सम्मान

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय के पूर्व छात्र दीपेश शर्मा का बी-टेक करने के लिए इंडियन इन्स्ट्यूट आफ टेक्नोलोजी, आईआईटी धनबाद झारखंड में सिलेक्शन होने पर संस्कार स्कूल स्कूल द्वारा सम्मान किया गया। दीपेश शर्मा ने अपनी सम्पूर्ण स्कूली शिक्षा संस्कार विद्यालय से प्राप्त की थी एवं सत्र 2020-21 में संस्कार विद्यालय से बारहवीं कक्षा पास की थी छात्र ने इस उपलब्धि का श्रेय संस्कार विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एव प्रबंधन कमेटी को दी। इस अवसर पर संस्था के सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, राकेश कुकरेजा, सुमित आहूजा, महेश प्रेमचन्दानी, राजेश पेसवानी उपस्थित होकर दीपेश शर्मा को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके अलावा संस्था के अन्य पदाधिकारी अध्यक्ष सुशील वासवानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, सह-सचिव नरेश वासवानी ने भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर सरपंच ने निजी राशि से खरीदी कचरा गाड़ी, गांव में घर-घर से उठाया जाएगा कचरा

ग्राम पंचायत सेवनिया ओकारा में स्वच्छता के लिए पहल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिन के अवसर पर फंदा ब्लॉक की ग्राम पंचायत सेवनिया ओकारा के सरपंच ने नई मिसाल कायम करते हुए पंचायत के लिए अपने निजी राशि से कचरा गाड़ी खरीद कर घर घर से कचरा उठाना शुरू कर दिया है। भोपाल शहर अयोध्या एक्सटेंशन से लगी हुई ग्राम पंचायत सेवनिया ओकारा के सरपंच गजराज सिंह अहिरवार ने बताया कि ग्राम पंचायत के द्वारा ई-रिक्शा से घर घर से कचरा उठाया जाता था ग्राम पंचायत की आबादी ज्यादा होने एवं टेढ़े मेढ़े रास्ते होने के कारण गलियों से ई रिक्शा से कचरा उठाना मुश्किल हो रहा था मैं सरपंच होने के नाते प्रधानमंत्री का सपना है कि शहर एवं ग्रामीण स्वच्छ रहें, स्वच्छ भारत स्वच्छ मिशन के अंतर्गत मैंने अपनी पंचायत को साफ सुथरा रखने के लिए मेरी निजी राशि 7 लॉख से अधिक की राशि से मैजिक बड़ी गाड़ी खरीद कर जनता की सेवा के लिए घर घर से कचरा उठाने की गाड़ी खरीदी गई जिसको आज हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के जन्मदिन पर ग्रामीणों की उपस्थिति में पंचायत कार्यालय से शुभारंभ करते हुए कचरा गाड़ी घर-घर कचरा उठाने पहुंची। ग्रामीणों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए सरपंच गजराज सिंह अहिरवार को बधाई दी। इस अवसर पर सरपंच गजराज सिंह के साथ सचिव अंतर सिंह लोधी, ओमवती बाई, पूजा लोधी, राखी अहिरवार, शिवानी लोधी, सलोनी एवं भारी संख्या में महिला-पुरुष उपस्थित थे।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा एम. एस सी की छात्राओं हेतु मध्यप्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, भोपाल का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण के दौरान डॉक्टर संध्या मोखले, वैज्ञानिक, पूनम चैबे, फील्ड असिस्टेंट, शुभाजीत रॉय, जेआरएफ एवं रसायन शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉक्टर हर्षा प्रेमचंदानी विशेष रूप से उपस्थित थी।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि छात्राओं को मूल्य आधारित शिक्षा एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने हेतु इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किए जाते है जो कि उनके सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक है। वर्तमान समय में विद्यार्थियों को प्रायोगिक ज्ञान होना जरूरी है। छात्राओं को आयोजित शैक्षणिक भ्रमण में मध्यप्रदेश पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की संपूर्ण कार्य प्रणाली और विभिन्न उपकरणों जैसे सीएचएमएस एनालाइजर, आईसीपी, एएएस, यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर इत्यादि को सविस्तार प्रभावी ढंग से बताया गया।

शिव महापुराण कथा का आम भंडारे के साथ हुआ समापन

मुकेश महाराज ने द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा का श्रद्धालुओं को कराया रसपान

संत हिरदाराम नगर। संत नगर में चल रही शिव महापुराण कथा का समापन किया गया। कथा के पंचम दिवस श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की मस्ती में झूमते गाते नजर आए। कथा प्रसंग में मुकेश महाराज ने द्वादश ज्योतिर्लिंग की कथा का वर्णन किया। मुकेश महाराज ने बताया कि भगवान भोलेनाथ के द्वादश ज्योतिर्लिंगों की कथा समस्त कष्टों का विनाश करने वाली और समस्त मनोकामनाएं को पूर्ण करने वाली है साथ ही उन्होंने कहा कि शिव महापुराण से हमें यही शिक्षा और ज्ञान मिलता है कि भगवान भोलेनाथ पशुपतिनाथ है जो जीव सेवा में ही स्वयं की सेवा समझते हैं इसीलिए समस्त जीवो के प्रति उदारता और परोपकार का भाव रखना ही वास्तव में शिव पूजा है। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने शिव महापुराण की आरती की। इस अवसर पर रामेश्वर शर्मा ने कहा कि ऐसी कथाओं से नगर में धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है और आज का युवा वर्ग धीरे-धीरे ऐसी कथाओं के साथ हिंदू धर्म से जोड़ रहा है। इस अवसर पर विशाल भंडारा किया गया। कथा में जगदीश आसवानी, अर्जुनदास गुरवानी, राम सबनानी, नारी सबनानी, राम बंसल, साबूमल रिझवानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

मध्य विधानसभा में कन्या पूजन कर मनाया मुख्यमंत्री का जन्मदिन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन था मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने जन्मदिन पर बैनर पोस्टर होर्डिंग्स न लगाने की अपील करते हुए सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की थी। मध्य विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता ध्रुव नारायण सिंह द्वारा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिन पर वृक्षारोपण और कन्या पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदान सभा क्षेत्र के 12 नंबर स्थित मल्टी में आयोजित हुआ । जहां एक साथ 1100 कन्याओं का पूजन किया गया और उन्हें मिष्ठान वितरित किए गए । कार्यक्रम की शुरुआत पंडितों के मंत्र उच्चारण के साथ हुई ।

कन्या पूजन के बाद पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह ने वृक्षारोपण भी किया इतना ही नहीं उन्होंने ऐलान करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश सभा क्षेत्र के सभी वार्डों में 64 वृक्षों का रोपण किया जाएगा और उनके पालन पोषण का काम भी वार्ड के नागरिक ही करेंगे। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप मंडल के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक सैनी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष माया नारोलिया, उत्कर्ष नायक, मुकुल लोखंडे सहित भाजपा के कई नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पेंशन वितरण सभी पोर्टलों को एकीकृत किया जाएगा: डॉ. जितेंद्र सिंह

भोपाल । केंद्रीय भूविज्ञान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग तथा अंतरिक्ष विभाग के राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भोपाल में बैंकर्स जागरूकता कार्यशाला में कहा कि पेंशन वितरण सभी पोर्टलों को नव निर्मित एकीकृत पेंशनभोगी पोर्टल इंटीग्रेटेड पेंशनर्स पोर्टल- के रूप में एकल पोर्टल में एकीकृत किया जाएगा ताकि बुजुर्ग नागरिकों के लिए जीवनयापन में आसानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन जीवन को आसान बनाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के अनुरूप, इस कदम से पेंशनभोगियों के सामने आने वाली समस्याओं को कम किया जा सकेगा। सिंह ने बताया कि पेंशन विभाग ने 22 नवंबर को फेस ऑथेंटिकेशन अभियान के माध्यम से राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट शुरू किया है, जिसके परिणामस्वरूप 30 लाख पेंशनभोगियों ने अपना जीवन प्रमाण पत्र डिजिटल रूप से जमा किया है। उन्होंने भविष्य पोर्टल की भी चर्चा की और कहा कि इससे पेंशन भोगियों का काफी फायदा पहुंचा है। इस कार्यशाला में सीपीपीसी और बैंक ऑफ बड़ौदा की पेंशन से संबंधित शाखाओं के 60 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया।

कंडों की होली जलाएं और वातावरण प्रदूषित होने से बचाएं: वंदना द्विवेदी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पर्यावरण, वन, और वन्य प्राणियों के संरक्षण संवर्धन हेतु प्रयासरत बांधवगढ़ फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी, टीसीसी की स्टेट कोऑर्डिनेटर वंदना द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा, एक तरफ पर्यावरण प्रदूषण की समस्या विकराल रूप धारण करती जा रही है, जिसके कारण बीमारियों ने अपना जाल फैला रखा है और दूसरी तरफ होली रंग बिरंगी छटा ओं के साथ धूमधाम से आ गई, हमें इस त्यौहार में एक संकल्प लेना होगा, हम सब मिलकर गोबर के बने हुए कंडो से होली जलाएं, साथ ही पर्याप्त मात्रा में उसमें कपूर डालें, नीम की जो पत्तियां सूख गई हैं कुछ मात्रा में वह भी होलिका जी में डालें जिससे वातावरण शुद्ध होगा और बीमारियां कोसों दूर, होलिका जी के नाम पर लोग जंगलों से काफी मात्रा में लकड़ियां काट कर लाते हैं जिससे पेड़ों को नुकसान होता है, ।, समय हमें चेतावनी दे रहा है ग्लोबल वार्मिंग का खतरा चारों और मंडरा रहा है वातावरण में तमाम प्रकार की बीमारियों के कीटाणु जो मौजूद है, जिन्हें खत्म करना आवश्यक है, और वह कपूर और कंडो के जलाने से ही खत्म होंगे, इसी प्रकार रंगों के इस त्यौहार में हमें यह भी नहीं भूलना है की तमाम प्रकार के जहरीले रंग जो मार्केट में उपलब्ध हैं , उनसे दूर रहते हुए, हर्बल और फूल पत्तियों से बने हुए रंगों का है इस्तेमाल करना है, जहरीले रंग त्वचा के लिए हार्मफुल हैं, इन से आंखों की रोशनी भी जा सकती है। हमें सावधानी पूर्वक अपने इस त्यौहार को हंसी खुशी एक दूसरे के साथ मनाना है और परंपरागत रूप से , भाई चारे के साथ दुश्मन को भी गले लगाना है, आओ हम सब मिलकर रंगों के इस त्यौहार में खुशियां मनाएं और कंडो की होली जलाएं यही समय की मांग है, और प्रकृति का संदेश भी ।

एयरटेल ने एक साथ 125 शहरों में 5जी लॉन्च की घोषणा की

भोपाल। भारत की अग्रणी टेलीकम्यूनिकेशन सर्विस प्रोवाइडर, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज 125 शहरों में अपनी अल्ट्रा-फास्ट 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की। इसके साथ ही एयरटेल 5जी प्लस सेवा अब देश के 265 से अधिक शहरों में ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। एयरटेल 5जी प्लस के तीन आकर्षक फायदे हैं। सबसे पहले, यह एक ऐसी तकनीक पर चलता है जिसकी दुनिया में सबसे विकसित इकोसिस्टम के साथ व्यापक स्वीकृति है। यह सुनिश्चित करता है कि भारत में सभी 5जी स्मार्टफोन एयरटेल नेटवर्क पर निर्बाध रूप से काम करें। दूसरा, कंपनी शानदार वॉयस एक्सपीरियंस और सुपर-फास्ट कॉल कनेक्ट के साथ आज की तुलना में 20 से 30 गुना अधिक गति का बेहतरीन अनुभव देने का वादा भी करती है। अंत में, एयरटेल 5जी प्लस नेटवर्क अपने विशेष पॉवर रिडक्शन सॉल्यूशन के साथ पर्यावरण के लिए भी अधिक अनुकूल होगा। भरोसेमंद एयरटेल नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा संचालित, एयरटेल 5जी प्लस हाई-डेफिनिशन वीडियो स्ट्रीमिंग, गेमिंग, मल्टीपल चैटिंग, फोटो को तुरंत अपलोड करने व अन्य सुविधाएं के लिए सुपरफास्ट एक्सेस प्रदान करेगा। इस लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, भारती एयरटेल के सीटीओ, रणदीप सेखों ने कहा, 5जी ने इंटरनेट की दुनिया में क्रांति लाकर कनेक्टिविटी और संचार के नए युग की शुरुआत की है, जो देश के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। एयरटेल में, हम अपने ग्राहकों को उच्चतम गुणवत्ता का नेटवर्क और सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आज 125 नए शहरों में 5जी की शुरुआत कर रहे हैं। एयरटेल अक्टूबर 2022 में 5जी सेवाओं की पेशकश करने वाली देश की पहली कंपनी थी और आज का मेगा लॉन्च देश के प्रत्येक एयरटेल ग्राहक को अल्ट्रा-फास्ट एयरटेल 5जी प्लस से जोड़ने का हमारा वादा है।

विमक्त घुमंतू समाज के लोगों का उत्थान ही हमारा उद्देश्य: व्यास

विमुक्त घुमंतू, अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज का सामाजिक सम्मेलन आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आप और हम अलग नहीं हैं। हममें कोई छूत-अछूत नहीं हैं, हम सब एक हैं, आपके और हमारे महापुरुष एक हैं। हमारा रक्त का संबंध है। सभी को शिक्षा, आवास जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए हम सब मिलकर कार्य करेंगे। यह बात विमुक्त घुमंतू, अर्द्धघुमंतू जनजाति समाज के अखिल भारतीय संयोजक दुर्गादास व्यास ने विमुक्त, घुमंतू, अर्द्धघुमंतु, जनजाति समाज को मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान में रविवार को आयोजित 'सामाजिक सम्मेलन' में कही। उन्होंने कहा कि हम शासन-सरकार या राजनैतिक दलों के लोग नहीं हैं। हमारा उद्देश्य सर्व विमुक्त घुमन्तु समाज के लोगों के उत्थान, कल्याण, विकास एवं उनकी समास्याओं के लिए कार्य करने का है। हम सभी मिलकर शासन-प्रशासन तक आपके हित के लिए आवाज उठाने का कार्य करेंगे। विमुक्त, घुमंतू जनजाति के इतिहास पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि विमुक्त, घुमन्तु जनजातीय समाज ने समाज की विभिन्न प्रकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अलग-अलग काम घूम-घूम कर जिम्मे लिया था। घुमंतू समाज देशभक्त, स्वाभिमानी और सम्पन्न समाज है। आक्रांताओं से लड़ाई में घुमंतुओं का महत्वपूर्ण योगदान है। घुमंतू समाज के लोग देश के आर्थिक, धार्मिक, स्वतंत्रता सेनानी हैं। उन्होंने कहा कि देश के लिए इतना सब करने के बाद भी इस समाज को आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, वोटर आईडी कार्ड सहित अन्य छोटे-छोटे अधिकारों तक से 70 वर्षों से वंचित रखा गया। उन्होंने सभी से जातियों में न बंटने की अपील करते हुए कहा कि हम सभी विमुक्त घुमंतू समुदाय के लोग अपने अधिकारों के लिए एकत्रित होकर आवाज उठाएं। व्यास ने कहा कि लोग चिकनी-चुपड़ी बातें करके चर्च ले जाकर हमें अपने धर्म से दूर करने का कार्य कर रहे हैं। वह हमें अनेक प्रकार के प्रलोभन देते हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के कुचक्र में न फंसकर अपने धम को सुरक्षित बचाए रखने की अपील की। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री रामखिलावन पटेल, महंत रामप्रवेश दास महाराज (गुफा मंदिर), महंत जगदीशदास (छोला मंदिर) सहित विमुक्त घुमंतू जनजाति के मुखिया, अध्यक्ष, पंच सहित सपेरा, बंजारा, कुचबंदिया, नट, लोहापीटा, करावत बेड़िया, पारदी, कंजर, पासी, सिखलीघर एवं अन्य घुमंतू जनजाति समाज के बंधु जन शामिल हुए। पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री रामखिलावन पटेल ने अपने उध्बोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम जनजगरुकता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने सरकार द्वारा घुमंतू जनजाति के लिए किये जा रहे कार्यों की विस्तृत चर्चा की। साथ ही उन्होंने समाज के लिए एक कैंप लगाकर सभी लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बात कही। वहीं गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास महाराज ने उपस्थित सभी समाज के लोगों को हिन्दू समाज के ध्वजवाहक होने की बात कही।

सनस्टोन ने भोपाल में लॉन्च किया अपना पहला एक्सपीरिएंस सेंटर

भोपाल। भारत के अग्रणी उच्च शिक्षा सेवा प्रदाताओं में से एक सनस्टोन ने छह नए एक्सपीरिएंस सेंटरों के साथ अपनी भौतिक मौजूदगी का विस्तार किया है। एक व्यक्ति के जीवन में करियर काउन्सलिंग बहुत अधिक मायने रखती है और सनस्टोन भारत के प्रमुख दूसरे एवं तीसरे स्तर के शहरों में उपलब्ध कराई जाने वाली काउन्सलिंग की गुणवत्ता के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करता है। मध्य प्रदेश एक एजुकेशनल हब के रूप में उभर रहा है, जहां उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है। सनस्टोन ने राज्य के कॉलेजों में अपनी मौजूदगी स्थापित की है और अब राज्य के हर कोने तक पहुंचने एवं छात्रों को डायरेक्ट एडमिशन्स में मदद करने के लिए काम कर रही है। ऐसे में सनस्टोन के ये एक्सपीरिएंस सेंटर उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन एवं ज़रूरी संसाधन उपलब्ध कराकर शिक्षा और रोज़गार के बीच के अंतर को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। तेज़ी से बदलते जॉब मार्केट और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, बहुत से छात्रों के लिए करियर का सही मार्ग चुनना और अच्छी नौकरी हासिल करना मुश्किल हो जाता है। ये सेंटर शैक्षणिक संस्थानों एवं एम्पलॉयर्स के साथ मिलकर काम करते हुए छात्रों को ज़रूरी मार्गदर्शन एवं संसाधन उपलब्ध कराएंगे। इस लॉन्च के अवसर पर श्री अंकुर जैन, सह-संस्थापक एवं सीबीओ, सनस्टोन ने कहा, ''हमें खुशी है कि हम भोपाल में अपने एक्सपीरिएंस सेंटर का लॉन्च करने जा रहे हैं। इस सेंटर के माध्यम से हम उन छात्रों को सहयोग प्रदान करेंगे जिन्हें अपने करियर के लिए सही मार्गदर्शन की ज़रूरत है।

प्रदेश में कोई भी भूखा-प्यासा एवं बगैर घर का नहीं रहेगा: गोविंद सिंह राजपूत

करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टीलाबुजुर्ग, करैयाहजारी, हरवंशपुरा, मानकचौक, पीपरा पहुंची विकास यात्रा

सागर। सोमवार को सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टीलाबुजुर्ग, करैयाहजारी, हरवंशपुरा, मानकचौक, पीपरा पहुंची विकास यात्रा जहां राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करते हुये क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना, संबल कार्ड, आयुष्मान कार्ड वितरित किये। इस अवसर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा, प्यासा एवं बगैर घर का नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अनेक लोक हितकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के निवासियों के लिए हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए नल जल योजना केंद्र सरकार ने प्रारंभ की है और आने वाले 2024 तक हमारी माताएं बहनों को घर के बाहर पानी लेने नहीं जाना होगा उनको घर पर ही शुद्ध टोटी के माध्यम से पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समस्त पात्र व्यक्तियों के लिए निशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है इसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान द्वारा प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रत्येक पात्र व्यक्तियों को मकान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। राजपूत ने कहा कि प्रदेश में बेटियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए जहां लाड़ली लक्ष्मी योजना संचालित हो रही है तो वहीं अब हमारी बहनों के सशक्तिकरण के लिए लाडली बहना योजना संचालित की जाएगी

जिसमें प्रतिमाह 1 हजार रूपये बहनों के खातों में पहुंचेगे इस प्रकार वर्ष में 12 हजार रूपये बहनों के खातों में भाजपा की सरकार पहुंचायेगी। गरीब, निम्न मध्यमवर्गीय परिवार की प्रत्येक बहन को योजना का लाभ मिलेगा। राजपूत ने कहा कि हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे सभी पात्रों को लाभान्वित किया जाएगा उन्होंने कहा कि अब हम प्रगतिशील और विकसित मध्यप्रदेश का निर्माण कर रहे हैं सभी गरीबों के सर पर पक्का छत, आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क इलाज, सौभाग्य योजना के तहत लाइट, मुख्यमंत्री भू अधिकार योजना के तहत भूमिहीन परिवारों को आवास पट्टे, कठिन समय में आर्थिक सहायता के लिए संबल योजना जैसे अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से धरातल पर संचालित हो रही है श्री राजपूत ने आग्रह कर कहा कि अगर कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित रहा है तो उसकी जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारियों को दी जाए ताकि उन्हें शीघ्र योजना से लाभान्वित किया जा सके।

सुरखी में के हर गांव में शहरों जैसी मिल रहीं सुविधायें: राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चारों तरफ विकास कार्य किये जा रहे है हर गांव में पक्की सड़क अस्पताल, स्कूल जैसी मूलभूत सुविधायें तो है हीं इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव में पाईप लाईन से पानी पहुंचाया जा रहा है हर घर के सामने टोंटी लगाकर पानी की व्यवस्था की जा रही है। शहरों जैसी सुविधा हमारे सुरखी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव तक पहुंचाई जा रही है क्षेत्र में हर व्यक्ति के लिये शासकीय योजनाओं से जोड़ने का काम किया जा चुका है हर व्यक्ति शासन की योजनाओं से जुड़कर निःशुल्क खाद्यान, लाड़ली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास जैसी कई योजनाओं से कहीं ना कहीं पात्रता के आधार पर जोड़ा गया है। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने नए मतदाताओं का स्वागत किया । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमल पटेल, राकेश दुबे, भगवत शरण सिंह राजपूत, अनिल पीपरा, तेज सिंह, रतन आदिवासी, देवेंद्र सिंह, रामकुमार यादव, धर्मेंद्र आदिवासी, चंद्र सिंह ठाकुर, राहुल, रामप्रसाद ठाकुर, जय रामनारायण यादव, बालकृष्ण यादव, छोटू यादव, भगवानदास, संदीप चौरसिया, जग्गू सिंग सहित शासकीय विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

त्यौहारों पर महिलाओं से अभद्रता करने वालों पर करें कठोर कार्रवाई: डीजीपी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

होली, रंगपंचमी और शब-ए-बारात त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बहाल रहे और सौहार्द बना रहे, इसके दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में समस्त समस्त एडीजी/आईजी, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक शामिल हुए । वहीं इस बैठक में एडीजी (इंटेलिजेंस) आदर्श कटियार और आईजी लॉ एंड ऑर्डर संजय तिवारी उपस्थित रहे।

सौहार्द के साथ मनाए जाएं सभी त्यौहार: डीजीपी सक्सेना ने कहा कि 6, 7 एवं 8 मार्च को प्रदेश भर में आयोजित होने वाले त्यौहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने के लिए हमें तैयार रहना है। त्यौहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों, यह सुनिश्चित किया जाए। इस बार होली और रंगपंचमी के दौरान शब-ए-बारात का आयोजन भी हो रहा है, इस बात का हमें विशेष ध्यान रखना होगा कि सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार समस्त जिलों को अतिरिक्त बल उपलब्ध करा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थल पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। ग्राम/नगर रक्षा समिति तथा ग्राम कोटवारों का भी सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बीट स्तर की इंटेलीजेंस को अत्यधिक सक्रिय रखें। एडीजी (इंटेलिजेंस) आदर्श कटियार ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में हमें अथक प्रयास करने होंगे।

महिला सुरक्षा के प्रति रहें सजग: डीजीपी सक्सेना ने कहा कि त्यौहारों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिलाओं के साथ कोई अभद्रता की घटना ना हो। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। धार्मिक स्थलों के आसपास एवं वहां से गुजरने वाले जुलूसों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

अवैध शराब कारोबारियों और असामाजिक तत्वों पर रखें विशेष नजर: वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान डीजीपी सक्सेना ने बल देते हुए कहा कि होली और रंगपंचमी पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए तैनात रहें। विशेष तौर पर अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी शराब दुकानें शासन के निर्धारित समय पर खुलें एवं बंद हों, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। वहीं डीजे पर आपत्तिजनक गाने ना बजाए जाएं, इसके लिए डीजे संचालकों को निर्देशित करें। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखें और उन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए।

सुरक्षा के दृष्टिगत अन्य विभागों से करें समन्वय: डीजीपी सक्सेना ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि होलिक दहन पर आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। नागरिकों को भी समझाइश दें कि बिजली के खंभों, तारों या किसी अन्य ज्वलनशील पदार्थों के आसपास होलिका दहन ना करें। पंचायतों, नगरीय निकायों, स्वास्थ्य विभाग से भी समन्वय करें और फायरब्रिगेड एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

शाखा प्रबंधक ऋण वितरण, अमानत संग्रहण के साथ वसूली का लक्ष्य भी पूर्ण करें : तिवारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अपेक्स बैंक मुख्यालय टीटीनगर स्थित सुभाष यादव समन्वय भवन में आज प्रातः 11.00 बजे समस्त मध्यप्रदेश के 24 संभागीय एवं अमानत शाखा प्रबंधकों की बैठक को सम्बोधित करते हुए बैंक के प्रबंध संचालक पी.एस.तिवारी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सभी को अपने कार्य को पूर्ण लगन और ईमानदारी से करते हुए आपकी शाखा को प्रदत्त निर्धारित लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना अनिवार्य है। आप सभी का यह दायित्व है कि आप अपने स्टाफ के सहयोग से आपकी शाखा को आबंटित ऋण वितरण, अमानत संग्रहण के साथ वसूली के लक्ष्य भी समय पर अर्जित करते हुए प्रदेश के सहकारी साख आंदोलन की प्रगति में

सकारात्मक योगदान प्रदान करें। बैठक में 5 वर्ष से अधिक एवं कम के अकृषि ऋणों की वसूली, एनपीए प्रकरणों के साथ विभिन्न न्यायालयों में धारा 84 क/64, धारा 85 एवं क्रिस अन्तर्गत दायर प्रकरणों के साथ सीबीएस बैंकिंग एवं अन्य व्यवहारिक कठिनाईयों के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण अरुणा दुबे, के.के.द्विवेदी, आर0एस0चंदेल, अरविंद बौद्ध, विवेक मलिक, अरविंद वर्मा, करुण यादव के साथ प्रदेश भर से आए शाखा प्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित हुए। उल्लेखनीय है कि अपेक्स बैंक प्रदेश में कार्यरत भारत शासन एवं राज्य शासन के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को मात्र 8 प्रतिशत ब्याज दर पर आवास व अन्य ऋण प्रदान कर रहा है ।

मुख्यमंत्री चौहान से कर्नाटक के राज्यपाल ने सौजन्य भेंट की

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने राज्यपाल गहलोत का पुष्पगुच्छ और शाल भेंट कर स्वागत किया।

लजीज व्यंजनों का स्वाद अब मोतिया तालाब पर भी

भोपाल। जम जम फास्ट फूड का स्वाद भोपाल के लोगों को खूब भा रहा है इसी को देखते हुए जन्मदिन के लजीज व्यंजनों तक लोगों की पहचान आसान बनाने के लिए अब जमजम की तीसरी ब्रांच मोतिया तालाब पर खोली जा रही ह फास्ट फूड के साथ रूफटॉप रेस्टो की शुरुआत की जाएगी जनरल फूड कॉर्नर भोपाल में आसपास के क्षेत्रों के खाने के शौकीनों के लिए फूड कॉर्नर बन चुका है लंबे समय से मोतिया तालाब रोड पर ग्राहकों की मांग की कि इस क्षेत्र में लगी व्यंजनों के लिए जमीन फास्ट फूड की दुकान खोली जाए जमजम के भजनों का स्वाद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि खाने के शौकीन लोग अपने परिवार से भोपाल में जन्म की बिरयानी खाने प्रदेश के अलग-अलग शहरों से आते हैं जम जम वेज खाने के शौकीनों के लिए वेज बिरयानी एवं फ्राइड राइस उपलब्ध रहते हैं स्वीट्स के शौकीनों के लिए जम जम रेस्टोरेंट में स्पेशल खीर उपलब्ध है।

ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग एम्स ने अपना स्थापना दिवस मनाया

भोपाल। कल्पना किजिए कि एक ऐसी दुनिया हो जहां प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) के लिए मरीजों को उपयुक्त दाता (परफेक्ट डोनर) के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़े, जहां सीमित संसाधनों में भी मिनटों में बीमारी का पता लगाया जा सके, जहां मरीज के शारीरिक तरल पदार्थों की प्रोफाइलिंग के बाद कैंसर का इलाज किया जा सके। चिकित्सा विज्ञान में प्रगति के साथ, अपूर्ण नैदानिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्णरूप से सटीक चिकित्सा आधारित जैव चिकित्सा समाधान विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ, मार्च 2021 में ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग की स्थापना की गई थी और विभाग द्वारा 6 मार्च 2023 को अपना स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान विभाग की स्थापना के बाद से अब तक विभाग की विकास यात्रा पर प्रकाश डालने वाला एक संक्षिप्त वीडियो दिखाया गया तथा डॉ. देबासिस बिस्वास, डीन (अनुसंधान) और प्रो. राजेश मलिक, डीन (अकादमिक) द्वारा विभाग के बाह्य अनुसंधान अनुदानों और अनुसंधान प्रकाशनों के रूप में किए गए कार्यों की प्रो सराहना की गई ।

ई-विवेचना एप से बढ़ी मप्र पुलिस की तकनीकी दक्षता: एडीजी शेखर

सुशासन प्रथाओं पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से भोपाल में 6-7 मार्च, 2023 को सुशासन प्रथाओं पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम में पूरे देश के लगभग 200 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। सोमवार को प्रथम दिवस के तीसरे सत्र में मध्य प्रदेश पुलिस विभाग के स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के एडीजी चंचल शेखर ने 'ई-विवेचना ऐप' पर प्रेजेन्टेशन दिया। एडीजी शेखर ने बताया कि सीसीटीएनएस के माध्यम से थानों का कार्य डिजिटल हुआ है। स्मार्ट (सेंसिटिव, मोबाइल, अलर्ट, रिलायबल और टेक सेवी) पुलिसिंग की अवधारणा को लागू करने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा मैदानी स्तर पर पुलिसकर्मियों को डिजिटल टूल के रूप में ई-विवेचना ऐप विकसित कर उपलब्ध कराया गया है। जमीनी स्तर पर डिजिटल पहल विषय पर आयोजित इस सत्र की अध्यक्षता मध्य प्रदेश शासन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने की। एडीजी चंचल शेखर ने बताया कि ई-विवेचना ऐप के उपयोग से मध्य प्रदेश पुलिस की तकनीकी दक्षता बढ़ी है। विवेचक टैबलेट की सहायता से मौके पर ही वास्तविक समय में विवेचना कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता एवं गुणवत्ता आई है। इ उन्होंने बताया कि इस तकनीक को मध्य प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों की पुलिस ने भी सराहा है और इस तरह की तकनीक पर कार्य करने की इच्छा भी जताई है। भारत सरकार ने भी इस डिजिटल नागरिक सुविधा की प्रशंसा की है। यह सम्मेलन केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर विभिन्न प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से सरकार और नागरिकों को समीप लाने की एक कोशिश है। इसमें अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार के नीतिगत उद्देश्य के साथ अगली पीढ़ी के सुधारों और नवाचारों को आगे बढ़ाने वाली डिजिटल प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जिसमें री-इंजीनियरिंग की सरकारी प्रक्रिया, ई-सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच, जिला स्तर पर डिजिटल पहलों में उत्कृष्टता और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने और आईसीटी प्रबंधन के उपयोग में उत्कृष्टता शामिल है। इस कार्यक्रम में कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और मध्य प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में शामिल हुए।

एनएचएम कार्यालय के मुख्य गेट पर संविदा फार्मासिस्ट एवं स्टाफ नर्स के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, जड़ा ताला

भोपाल। एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजवीर त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत संविदा फार्मासिस्ट 611 एवं संविदा स्टाफ नर्स के 611 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे इसकी परीक्षा 3 व 4 अगस्त 2022 को परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई थी जिसमें मध्य प्रदेश के लगभग 15000 से भी ज्यादा परीक्षार्थियों ने भाग लिया था जिसका परीक्षा परिणाम आज दिनांक तक एनएचएम द्वारा घोषित नहीं किया गया है जिस से दुखी एवं परेशान होकर एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजवीर त्यागी के नेतृत्व में आज मध्य प्रदेश के 53 जिलों से प्रतिनिधियों ने एनएचएम के मुख्य द्वार पर परीक्षा परिणाम घोषित करने की मांग को लेकर एनएचएम कार्यालय के मुख्य द्वार पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। राजवीर त्यागी ने बताया कि 3 एवं 4 अगस्त को परीक्षा हो जाने के इतने महीनों बाद परिणाम घोषित नहीं करना भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करता। जिसमें प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल एनएचएम के वरिष्ठ अधिकारी केके रावत (प्रभारी संचालक ह्।रू) से मिला जिन्होंने पूरी समस्याएं सुनी एवं सभी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है। इस आंदोलन में मुख्य रूप से एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष गगन शर्मा, सुनीता दांगी, प्रियंका,सोनी,रवि, मनोज परमार, जितेंद्र चौहान,नरेंद्र शाक्य राहुल जाट, गायत्री, साधन, विकास इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार होती हैं: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम तय की गई है- डिजिटऑल लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग के इतिहास के प्रारम्भ से ही स्त्रियों की प्रमुख भूमिका रही है, उनमें से अनेक तो सन्त और गुरु भी हुई हैं। शिव को

तन्त्र एवं योग का अधिष्ठाता एवं गुरु भी माना जाता है। क्या आप जानते हैं, उनके प्रथम शिष्य कौन थे? पार्वती, उनकी प्रतिरूप पत्नी या शक्ति। यदि आप तन्त्र की पुस्तकें पढ़ें तो पायेंगे कि उनका आरम्भ %पार्वती ने पूछा% से ही होता है। इस प्रकार तन्त्र और योग का ज्ञान सर्वप्रथम एक स्त्री को ही प्रदान किया गया। योग की संस्कृति में जब किसी सम्बन्ध का उल्लेख किया जाता है तो पहले स्त्री का नाम लिया जाता है। हम राम-सीता नहीं, बल्कि सीता-राम, या कृष्ण-राधा नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण या शंकर-गौरी नहीं, बल्कि गौरी-शंकर कहते हैं।

एयरपोर्ट पर स्वास्थ्य सुविधाओं में होगा विस्तार

भोपाल। हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक एयरपोर्ट के सभागार में आयोजित की गई। सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला प्रशासन और एयरपोर्ट के अधिकारियों के साथ समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान माननीय सांसद साध्वी जी मैं अर्थराइटिस और टीवी मरीजों की सहूलियत को देखते हुए व्हीलचेयर की जगह केबिन चेयर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए इसके लिए उन्होंने सार्वजनिक रूप से 10 लाख रुपए सांसद निधि से दिए जाने की भी घोषणा की। बैठक की शुरुआत में माननीय सांसद ने दीप प्रज्वलित किया इस दौरान एयरपोर्ट डायरेक्टर ने माननीय सांसद का शॉल श्रीफल देकर स्वागत किया इसके बाद माननीय सांसद ने भी निर्देशक और सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों

और समिति के सदस्यों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया

यात्री सुविधाओं से संबंधित, यातायात एवं टैक्सी सुविधा, व्हीकल ट्रैफिक नियंत्रण, भोपाल से एयर कनेक्टिविट, हाईवे से विमानतल की ओर आने वाली सड़क के चौड़ीकरण, विमानतल के समन्वय, विस्तार और प्रचार-प्रसार के संबंध में चर्चा की।

यूनियन कार्बाइड के जहर से महिलाओं में आंतरिक विकृतियां और अनियमितताएं बढ़ीं

भोपाल। संभावना ट्रस्ट केकी मेडिकल सदस्य द्वद्वह्य पीड़ितों के लिए हमेशा उपचर्रत रहा है । आज महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य कार्य संगीता चौरसिया के अनुसार, जनवरी 2006 से दिसंबर 2022 संभावना ट्रस्ट क्लीनिक में इलाज प्राप्त करने वाली 17,368 महिलाओं के चिकित्सीय आँकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि दिसम्बर 1984 में यूनियन के जहरीली गैस और यूनियन के जहरीमी कचरे से प्रदूषित भूजल से पीड़ित महिलाओं में स्त्री रोग संबंधी रोगों का प्रसार बहुत अधिक था। जहर पीडित महिलाओं में संक्रामक स्त्री रोग संबंधी विकृति, मासिक धर्म की अनियमितता वाझपन और पीसीओएस की बीमारी से पोड़ित महिलाओं की तुलना में 3 से 6 गुना अधिक था। अनुदान आधारित स्वास्थ्य सर्वेक्षण करने वाली फरहत जहा ने कहा, हमने यूनियन कार्बाइड कारखाने के 2 किलोमीटर के दायरे रहने वाली 2529 महिलाओं की आबादी में सन 2013 और 2022 के बीच 12 महिलाओं को कैंसर से पीड़ित पाया। इसकी पाया कि इस अवधि में कारखाने से 8 किमी दूर रहने वाली 2855 महिलाओं, जो जहरपीड़ित नहीं भी की केवल 2 महिलाओं को कैंसर हुआ।

स म्पा द की य

आओ होली मनाएं...

होली का मस्ती भरा त्यौहार कलुषित भावनाओं और अंतर्मन में निहित अहंकार आदि विकारों का दहन कर नेह की ज्योति जलाने और सभी को एक रंग में रंगकर बंधुत्व को बढ़ाने का संदेश देता है। यह बात और है कि हम अपने उन संस्कारों का ही दहन कर रहे हैं, जो हमें हमारी प्राचीनतम अक्षुण्ण संस्कृति ने दिए हैं। संभवतः बोलने और लिखने तक ही रह गए हैं हमारे आदर्श?

होली शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व माना जाता है। वसंत ऋतु के बाद इस समय पतझड़ के कारण साख से पत्ते टूटकर दूर हो रहे होते हैं तो नई कोंपलों के रूप में प्रकृति के पांवों में पायल की छमछम सुनाई देती है। नई फसल आने का संदेश हमारी खुशियों में वृद्धि करता है। ऐसे में परस्पर एकता, लगाव और मैत्री को एक साथ एक सूत्र में बांधने का संदेशवाहक होली का त्योहार वातावरण को महुए की गंध की मादकता, पलाश और आम की मंजरियों की महक से चमत्कृत कर देता है। फाल्गुन मास की निराली वासंती हवाओं में संस्कृति के परंपरागत परिधानों में आन्तरिक प्रेमानुभूति सुसज्जित होकर चहुंओर मस्ती की भंग आलम बिखेरती है, जिससे दुःख-दर्द भूलकर लोग रंगों में डूब जाते हैं।

होली को लेकर धार्मिक कथाएं तो सभी ने सुनी हैं, लेकिन सही अर्थों में यह मस्ती भरा त्योहार है, जो हमें मूल रूप से सामाजिक एकता और समरसता का पाठ पढ़ाता है। जब बात होली की हो तो ब्रज की होली को भला कैसे बिसराया जा सकता है। ढोलक की थाप और झांझतों की झंकार के साथ लोक गीतों की स्वर लहरियों से वसुधा के कण-कण को प्रेममय क्रीड़ाओं के लिए आकर्षित करने वाली होली ब्रज की गलियों में बड़े ही अद्भुत ढंग से मनायी जाती है। फागुन मास में कृष्ण और राधा के मध्य होने वाली प्रेम-लीलाओं के आनंद का त्योहार होली प्रकृति के साथ जनमानस में सकारात्मकता और नवीन ऊर्जा का संचार करने वाला है। यकीनन ! होली के इस माहौल में मन बौरा जाता है। नायक और नायिका के बीच बढ़ रही इसी उत्तेजना, उत्कंठा और चटपटाहट को हिन्दी के कई रचनाधर्मी कवियों ने अपनी रचनाओं में ढाला है, वो वाकई अद्भुत है।

अनुराग और प्रीति का त्योहार होली का भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य में सृजनधर्मी रचना प्रेमियों ने बखूबी से चित्रण किया है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन कवि सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीरा, कबीर और रीतिकालीन कवि बिहारी, केशव, घनानंद सहित सगुण साकार और निर्गुण निराकार भक्तिमय प्रेम और फाल्गुन का फाग भरा रस सभी के अंतस की अतल गहराइयों को स्पर्श करके गुजरा है। सूफी संत अमीर खुसरो ने प्रेम की कितनी उत्कृष्ट व्याख्या की है- 'खुसरो दरिया प्रेम का, सो उल्टी वाकी धार। जो उबरा सो डूब गया जो डूबा हुआ पार।।'

होली का त्योहार मन-प्रणय मिलन और विरह वेदना के बाद सुखद प्रेमानुभूति के आनंद का प्रतीक है। राग-रंग और अल्हड़पन का झरोखा, नित नूतन आनंद का अतिरेकी उद्गार की छाया, राग-द्वेष का क्षय कर प्रीति के इंद्रधनुषी रंग बिखेरने वाला होली का त्योहार कितनी ही लोककथाओं और किंवदंतियों में गुंथा हुआ है। प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप की कथा जनमानस में सर्वाधिक प्रचलित है। बुराई का प्रतीक होलिका अच्छाई के प्रतीक ईश्वर श्रद्धा के अनुपम उदाहरण प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं कर सकी। बुराई भले कितनी ही बुरी क्यों न हो पर अच्छाई के आगे उसका मिटना तय है।

आज हम देख रहे हैं कि धर्म के नाम पर होली या अन्य त्यौहार दिखाने के लिए तो खूब उत्साह के साथ मनाए जा रहे हैं, लेकिन कहीं भी मन के कलुषित विचारों का दहन होता नहीं दिखता। कहीं अहंकार, घृणा, ईर्ष्या, द्वेष और अन्य बुराइयों का दहन करें, फिर देखें होली का असली आनंद। भगवान कृष्ण का प्रणय-प्रेम संदेश गोपिकाओं के लिए नहीं, वो तो सांकेतिक था, वो पूरे विश्व को प्रेम का संदेश देकर गए हैं। हमें उसका अनुसरण करना चाहिए। आज समाज बिखर रहा है। सबसे पहले तो परिवार ही बिखर रहा है।

परिवार एकाकी हो रहे हैं हम धर्म, संप्रदाय, जाति और उपजातियों में इस कदर बंटे हुए हैं कि समूह की भावना हमसे विरत होती जा रही है। आपसी वैमनस्य बढ़ रहा है। एक-दूसरे को नीचा दिखाने की भावना बलवती होती जा रही है। होली में रंग लगाते हैं, गले मिलते हैं तो अंदर जैसे कटार चल रही होती है। यह होली का संदेश कतई नहीं है। इसका संदेश तो प्रेम है। इसका संदेश तो मिलजुलकर रहने का, खुशियां मनाने का है। इसका संदेश तो विश्व बंधुत्व का है। और ये संदेश केवल लिखने, भाषणों तक सीमित रहने के लिए नहीं हैं। हम अपना सकें तो बेहतर होगा। आत्मसात करें तो बेहतर होगा। और फिर आएगा होली का असली आनंद। आओ, हिलमिल कर रंगों के इस पावन पर्व को मस्ती और प्रेम के साथ मनाएं। होली है...।

राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग कानून खिलाड़ियों का कितना मददगार होगा!

विनय झैलावत

खिलाड़ी अपने खेल प्रदर्शन में सुधार करने के लिए कुछ प्रतिबंधित पदार्थों का उपभोग करते हैं। इसे डोपिंग (अपमिश्रण) कहा जाता है। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के अंतर्गत नवंबर 1999 में विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की स्थापना की गई थी। उल्लेखनीय है कि 'वाडा' को खेलों में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को के इंटरनेशनल कन्वेंशन द्वारा मान्यता प्राप्त है। 'वाडा' का मुख्य काम, सभी प्रकार के खेलों और देशों में एंटी-डोपिंग रेगुलेशन को विकसित करना, उनके बीच सामंजस्य पैदा करना और उनका समन्वय करना है।

पिछले साल दिसंबर में आई वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत डोपिंग (अपमिश्रण) के मामले में तीसरे नंबर पर है। यानी भारत एक ऐसा देश है, जहां के खिलाड़ी बड़ी संख्या में डोपिंग अर्थात प्रतिबंधित ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं। साल 2019 में एंटी डोपिंग रूल के उल्लंघन के 152 सामने आये थे। यह आंकड़ा बताता है कि दुनियाभर में डोपिंग के जितने मामले सामने आए उसका 17 प्रतिशत भारत के हिस्से आया। इस मामले में भारत से ऊपर सिर्फ दो ही देश हैं, रूस और इटली। भारतीय खेलों में एंटी डोपिंग एक्टिविटीज को रेगुलेट करने के लिए बनी नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी और नेशनल डोप टेस्ट लैबोरेटरी को संवैधानिक मान्यता देने के लिए केंद्र सरकार ने द नेशनल एंटी डोपिंग बिल, 2022 को पहले लोकसभा तथा मंजूरी मिलने के बाद इसे राज्यसभा में भी लम्बी चर्चा के बाद सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

बिल को सदन में चर्चा के लिए पेश करने के दौरान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हाल के दिनों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी भविष्य में और अधिक पदक जीतेंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा था कि, इस बिल से न केवल खेल और खिलाड़ियों को मदद मिलेगी, बल्कि इससे आत्मनिर्भर भारत को भी बल मिलेगा। उन्होंने सदन को बिल के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि वर्ष 2008 में राष्ट्रीय डोप टेस्ट लेबोरेटरी बनाई गई थी। नियम भी बनाए गए थे। लेकिन, उसे वैधानिक दर्जा प्राप्त नहीं हो सका। अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में डोप जांच को लेकर पहले से ही ऐसी व्यवस्था है। अब भारत भी इसमें शामिल हो गया है। इससे भारत की साख बढ़ेगी।

खिलाड़ी अपने खेल प्रदर्शन में सुधार करने के लिए कुछ प्रतिबंधित पदार्थों का उपभोग करते हैं। इसे डोपिंग (अपमिश्रण) कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के अंतर्गत नवंबर 1999 में विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की स्थापना की गई थी। उल्लेखनीय है कि वाडा को खेलों में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को के इंटरनेशनल कन्वेंशन द्वारा मान्यता प्राप्त है। वाडा का मुख्य काम, सभी प्रकार के खेलों और देषों में एंटी-डोपिंग रेगुलेशंस को विकसित करना, उनके बीच सामंजस्य पैदा करना और उनका समन्वय करना है। इसके लिए एजेंसी विश्व एंटी-डोपिंग कोड (वाडा कोड) तथा उसके मानकों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है, डोपिंग के मामलों की जांच करती है, डोपिंग पर शोध करती है तथा खिलाड़ियों और संबंधित कर्मचारियों को एंटी-डोपिंग रेगुलेशंस के बारे में शिक्षित करती है।

'वाडा' वर्ष में कम से कम एक बार प्रतिबंधित पदार्थों की सूची छापती है और अपने सभी हस्ताक्षरकर्ता देशों में बांटती है। खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के इस्तेमाल की छूट है, अगर वे पदार्थ चिकित्सकीय उपयोग के लिए निर्दिष्ट हो तथा इसके लिए जरूरी हों। 'वाडा' के अनुसार, 2019 में डोपिंग के नियमों के सबसे ज्यादा उल्लंघन बॉडी-बिल्डिंग में 22 प्रतिशत, एथलेटिक्स में 18 प्रतिशत, साइकिलिंग में 14 प्रतिशत तथा वेटलिफ्टिंग में 13 प्रतिशत में किया गया। 'वाडा' के अंतर्गत काम करने वाले राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग संगठनों में से अधिकतम पॉजिटीव सैंपल भारत 4,004 में से 225 सैंपल, यूएसए में 11,213 में से 194 सैंपल और रूस में 9,516 में से 85 मामलों में दर्ज किए गए।

'वाडा' यह अपेक्षा करती है कि सभी देशों में एंटी-डोपिंग नियमों को लागू करने के लिए राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग संगठन बनाए जाएं। भारत में राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) एंटी-डोपिंग प्रक्रिया का संचालन करती है। नवंबर 2009 में सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अंतर्गत 'नाडा' को एक स्वायत्त निकाय के रूप में स्थापित किया गया था। 'नाडा' के कार्यों में विश्व एंटी-डोपिंग कोड के अनुसार एंटी-डोपिंग नियमों को लागू करना, डोपिंग नियंत्रण कार्यक्रमों को रेगुलेट करना, डोप टेस्ट करना तथा उल्लंघनों के मामले में सजा को अधिकृत करना शामिल है। भारत में एंटी-डोपिंग कानून नहीं था। सन् 2021 में खेल संबंधी स्टैंडिंग कमेटी ने कहा था कि एंटी-डोपिंग नियम किसी कानून द्वारा समर्थित नहीं हैं और उन्हें अदालत में कोई भी चुनौती दे सकता है। उसने खेल विभाग को सुझाव दिया था कि 2021-22 में एंटी-डोपिंग कानून लाया जाए।

विधेयक में डोपिंग का निषेध है। यह विधेयक एथलीटों, एथलीट सपोर्ट कर्मियों और अन्य व्यक्तियों को खेल में डोपिंग में शामिल होने से रोकता है। डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन के परिणामस्वरूप खिलाड़ी को अयोग्य ठहराया जा सकता है, जिसमें पदक, अंक और पुरस्कार की जब्ती, निर्धारित अवधि के लिये किसी प्रतियोगिता या कार्यक्रम में भाग लेने की अयोग्यता, वित्तीय प्रतिबंध आदि शामिल है। विधेयक राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी को वैधानिक निकाय के रूप में गठित करने का प्रावधान करता है। इसकी अध्यक्षता केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त महानिदेशक करेगा। एजेंसी के कार्यों में डोपिंग रोधी गतिविधियों की योजना बनाना, उन्हें लागू करना और उनकी निगरानी करना। डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन की जाँच।

डोपिंग रोधी अनुसंधान को बढ़ावा देना। खेल में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी बोर्ड सम्मिलित है। साथ ही डोपिंग रोधी विनियमन और डोपिंग रोधी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुपालन पर सरकार को सिफारिशें करने के लिये विधेयक खेल क्षेत्र में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी बोर्ड की स्थापना, बोर्ड एजेंसी की गतिविधियों की निगरानी करेगा और उसे निर्देश जारी करेगा। मौजूदा राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला को प्रमुख डोप परीक्षण प्रयोगशाला माना जाएगा। केंद्र सरकार और अधिक राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित कर सकती है। यह विधेयक डोपिंग से लड़ने में एजेंसियों के बीच सहयोग बढ़ाने के अलावा विधेयक एथलीटों को समयबद्ध न्याय प्राप्त करने का प्रयास करता है। साथ ही यह खेलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने हेतु भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का भी एक प्रयास है। इसके अलावा यह विधेयक डोपिंग रोधी निर्णय के लिए एक मजबूत, स्वतंत्र तंत्र स्थापित करने में मदद करेगा। साथ ही यह विधेयक नाडा और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के कामकाज को कानूनी मान्यता देगा।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी को भारत में डोप मुक्त खेलों के लिये एक जनादेश के साथ 24 नवंबर, 2005 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में स्थापित किया गया था। इसका प्राथमिक उद्देश्य विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी कोड के अनुसार डोपिंग रोधी नियमों को लागू करना, डोप नियंत्रण कार्यक्रम को विनियमित करना, शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा डोपिंग एवं इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। 'नाडा' के पास इसके लिए आवश्यक अधिकार और जिम्मेदारी है। इसका काम डोपिंग नियंत्रण में योजना, समन्वय, कार्यान्वयन, निगरानी और सुधार की पैरवी करना तथा अन्य प्रासंगिक राष्ट्रीय संगठनों, एजेंसियों और अन्य डोपिंग रोधी संगठनों आदि के साथ सहयोग करना भी है।

नवंबर, 1999 में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के तहत विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी की स्थापना की गई थी। खेल में डोपिंग के खिलाफ यूनेस्को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा वाडा को मान्यता दी गई। वाडा की प्राथमिक भूमिका सभी खेलों और देशों में एंटी-डोपिंग नियमों को विकसित करना, सामंजस्य तथा समन्वय स्थापित करना है। यह विश्व डोपिंग रोधी संहिता (वाडा कोड) और उसके मानकों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने, डोपिंग की घटनाओं की जाँच करने, डोपिंग पर शोध करने, खिलाड़ियों व संबंधित कर्मियों को डोपिंग रोधी नियमों के बारे में शिक्षित करने का कार्य भी करता है।

निश्चित ही यह विधेयक खिलाड़ियों के हितों की रक्षा करेगा क्योंकि यह उन्हें अपना पक्ष रखने के लिये पर्याप्त जगह प्रदान करेगा, खासकर जब वे डोपिंग रोधी आरोपों का सामना कर रहे हों। यहां भारतीय पहलवान नरसिंह यादव का उदाहरण देना माकूल होगा। यादव भारत में डोप टेस्ट पास करके गए थे लेकिन विदेश में फेल हो गए थे। कानून बनने के बाद देश में एक उचित प्लेटफार्म होगा, जहां खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका दिया जाएगा। नेशनल एंटी-डोपिंग कानून के तहत सरकार के पास एथलीट्स का पर्सनल डेटा जुटाने का कानूनी अधिकार होगा।

अंगदान न होने से देश में हर साल पांच लाख मौतें

-राकेश दुबे

दुर्भाग्य ! देश में 640 चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल हैं, जिनमें अंग प्रत्यारोपण और स्तंभ कोशिका से उत्पादन का काम किया जा सकता है, लेकिन चंद चिकित्सा संस्थानों में ही अंग प्रत्यारोपण व उत्सर्जन की शल्य क्रिया सुविधा उपलब्ध है। अब इनमें अंग प्रत्यारोपण व उत्सर्जन के पाठ्यक्रम भी नवीन चिकित्सा शिक्षा में जोडे गए हैं।

चौंकिए मत ! देश में अंगों की अनुपलब्धता के कारण हर साल पांच लाख लोगों की मौत हो जाती है। इसके मुकाबले वर्ष 2022 में पंद्रह हजार अंगों का प्रत्यारोपण ही हो सका है। लोगों की जान बचाने के लिए जरूरत और उपलब्धता के बीच की इस खाई को पाटना जरूरी है। इसके दो ही उपाय हैं। पहला,अंगदान के लिए लोगों को जागरूक किया जाए और दूसरा, स्तंभ कोशिकाओं यानी स्टेम सेल के जरिए अंगों का उत्पादन बढ़ाया जाए।इस प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने के लिए भारत सरकार 'एक राष्ट्र-एक नीति' लागू करने जा रही है। जिससे अब अंगदान और उसका प्रत्यारोपण देश के किसी भी अस्पताल में कराया जा सकता है। भारत सरकार ने मूल निवासी प्रमाणपत्र की बाध्यता को हटाते हुए आयु सीमा की बाध्यता भी खत्म कर दी है। अंग प्राप्त करने के लिए अब जरूरतमंद रोगी किसी भी राज्य में पंजीकरण करा सकते हैं।

पंजीकरण के लिए अब मरीजों से कोई शुल्क भी नहीं लिया जाएगा। अभी तेलंगाना,महाराष्ट्र, गुजरात और केरल जैसे राज्य अंगदान के पंजीकरण के बहाने पांच हजार से दस हजार रुपए के बीच शुल्क ले रहे थे। बीते दस सालों में अंग प्रत्यारोपण की मांग बढ़ी है, लेकिन उपलब्धता कम है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अंग प्रत्यारोपण में सालाना सत्ताईस प्रतिशत की दर से वृद्धि हो रही है। मांग के अनुपात में पूर्ति नहीं हो पा रही है।

देश में अंगों की अनुपलब्धता के कारण हर साल पांच लाख लोगों की मौत हो जाती है। दो लाख लोग यकृत, पचास हजार लोग हृदय और डेढ़ लाख लोग गुर्दा संबंधी बीमारियों से हर साल मरते हैं। हालांकि गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए कई लोग अपना गुर्दा दान देने लगे हैं। लेकिन पूरे साल में पांच हजार रोगियों को ही गुर्दा दान में मिल पाते हैं। इनमें नब्बे फीसद गुर्दे महिलाओं के या निकटतम परिजनों के होते हैं। ऐसे में अंगों का कृत्रिम तरीके से उत्पादन जरूरी है।

मानव त्वचा की महज एक स्तंभ कोशिका (स्टेम सेल) को विकसित कर कई तरह के रोगों के उपचार की संभावनाएं उजागर हो गई हैं। स्तंभ कोशिका मानव शरीर के क्षय हो चुके अंग पर प्रत्यारोपित करने से अंग विकसित होने लगता है। करीब दस लाख स्तंभ कोशिकाओं का एक समूह सुई की एक नोक के बराबर होता है। ऐसी चमत्कारी उपलब्धियों के बावजूद समूचा चिकित्सा समुदाय इस प्रणाली को रामबाण नहीं मानता।

गर्भनाल से निकले रक्त को शीत अवस्था में इक्कीस साल तक सुरक्षित रखा जा सकता है। लेकिन इस बैंक में रखने का शुल्क कम से कम एक-डेढ़ लाख रुपए है। ऐसे में यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि गरीब लोग इन बैंकों का इस्तेमाल कर पाएंगे? सरकारी स्तर पर अभी इन बैंकों को खोले जाने का सिलसिला शुरू ही नहीं हुआ है। निजी अस्पतालों में इन बैंकों की शुरुआत हो गई है और पचहत्तर से ज्यादा बैंक कोशिकाओं के संरक्षण में लगे हैं। इस पद्धति से जिगर, गुर्दा, हृदय रोग, मधुमेह, कुष्ठ और स्नायु जैसे वंशानुगत रोगों का इलाज संभव है।

महिलाओं के मासिक धर्म के दौरान निकलने वाले रक्त में जीवन को निरोगी और दीर्घायु बनाने की क्षमता पाई गई है। नए शोधों से पता चला है कि इस रक्त में स्तंभ कोशिकाएं प्रचुर मात्रा में होती हैं, जिनका उपयोग अनेक बीमारियों के उपचार में किया जा सकता है। मुंबई में इन कोशिकाओं के संरक्षण की दृष्टि से 'मेंस्ट्रूअल स्टेम सेल' बैंक भी शुरू हो चुका है। शोधों से पता चला है कि रजस्वला स्त्री के रक्त से मिलने वाली स्तंभ कोशिकाओं में सफलता की संभावना अस्थि मज्जा से निकाली गई कोशिकाओं की बनिस्बत सौ गुना अधिक होती है। इनके संग्रह के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ की भी जरूरत नहीं होती।

वैसे स्तंभ कोशिकाओं से उपचार की ये प्रणालियां अभी शैशव अवस्था में हैं। उपचार भी महंगा है। इस कारण जिगर और गुर्दे की बीमारियों में प्रत्यारोपण की सबसे ज्यादा मांग है। फिलहाल अंग प्रत्यारोपण के लिए सबसे कारगर पद्धति अंगदान ही है।

देश में 74.2 प्रतिशत महिलाएं परिजनों को अंगदान करती हैं, लेकिन उन्हें महज 21.8 प्रतिशत अंग दान में मिल पाते हैं। सत्तर प्रतिशत माताएं बच्चों को अंगदान करती हैं, जबकि तीस प्रतिशत पिता ऐसा करते हैं। पचहत्तर प्रतिशत दादी पोते-पोतियों के लिए अंगदान करती हैं, जबकि दादा पच्चीस प्रतिशत ही करते हैं। यानी लैंगिक भेद यहां भी बरकरार हैं। यह सब बदलने के लिए चैतन्य समाज की ज़रूरत है ।

अंधेरी रात, हाथ में लौटा ये शर्मिंदगी भोगती आधी आबादी

सोनम लववंशी

2017 में अक्षय कुमार की एक फ़िल्म आई थी 'टॉयलेट ̄ एक प्रेम कथा।' इस फ़िल्म की कहानी ग्रामीण इलाकों में स?वच?छता के महत?व जैसे गंभीर मुद्दे पर प्रकाश डालती है! लेकिन, आज़ादी के अमृतकाल में भी अगर आधी आबादी को खुले में शौच के लिए जाना पड़े, तो फिर अमृतकाल और सरकारी तंत्र पर सवालिया निशान खड़े होना लाज़िमी है। दुनिया के लगभग 3.6 बिलियन लोगों के लिए शौचालय तक पहुंच आज भी नामुमकिन है।स्वच्छ भारत अभियान को शुरू हुए एक लंबा अरसा बीत गया है। इसके बावजूद आज़ादी के अमृत काल में 26त्न अदालती परिसरों में महिलाओं के लिए टॉयलेट उपलब्ध नहीं है। जो यह सोचने पर मजबूर कर रहा है कि अगर अदालत परिसरों का यह हाल है तो फिर अन्य जगहों के हालात कैसे होंगे।

टॉयलेट जैसी मूलभूत सुविधाएं एक सभ्य और संभ्रांत समाज की आवश्यकता है। ऐसे में सिर्फ़ स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने से हमारी जिम्मेदारी पूर्ण नहीं होगी। महिलाओं को टॉयलेट जैसी सुविधाएं मयस्सर करवाना समाज और सरकार की जिम्मेदारी में शामिल होना चाहिए। आज हम देश के विकास में नित नए कसीदे पढ़ रहें हैं। जबकि, हमारे ही देश की आधी आबादी आज भी खुले में शौच करने को मजबूर है। वैसे तो वर्तमान सरकार शौचालयों के निर्माण में अरबों- करोड़ों रुपये खर्च होने का दम्भ भी भरती है, लेकिन जब कोई रिपोर्ट आती है। फिर सच्चाई से सामना समाज और सरकार का होता है। आधुनिक भारत में भी महिलाएं शौचालय के लिए संघर्ष करने को मजबूर है, तो यह दु:खद स्थिति बयाँ करती है।

आखि़र क्या वजह है जो वर्तमान समय में भी हमारे देश में सभी के लिए शौचालय उपलब्ध नहीं है। स्वच्छता तो मानव जीवन में बहुत जरूरी है और महिलाओं को विशेषकर घर की इज्ज़त से जोड़कर देखा जाता है। फिर उन्हें शौच के लिए बाहर भेजने में आखि़र क्या समझदारी कही जा सकती है? शौच जो हमारी दैनिक दिनचर्या का अहम हिस्सा है, लेकिन वर्तमान समय में दुनिया की एक बड़ी आबादी के पास स्वच्छता और उससे जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पूरी दुनिया के लगभग 3.6 बिलियन लोगों के लिए शौचालय तक पहुंच आज भी नामुमकिन है। यहां तक कि सतत विकास लक्ष्य में भी साफ पानी और स्वच्छता की बात कही गई है और साल 2030 तक इस लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास भी किया जा रहा है। लेकिन अभी भी पर्याप्त जागरूकता की कमी साफ नज़र आ रही है। यही वज़ह है कि महिलाएं अदालत परिसरों में भी शौचालय की सुविधाओं से वंचित रह जाती हैं।

इतना ही नहीं शौचालय हर परिवार की बुनियादी जरूरत है, लेकिन विडंबना देखिए कि 'टॉयलेट ̄एक प्रेम कथा' जैसी फ़िल्म के आने के पांच-छह साल बाद भी इसे लेकर ग्रामीणों क्षेत्रों में जागरूकता का अभाव है। गांवों में अब तक शौच के लिए बाहर जाने को स्वास्थ्य के लिए बेहतर माना जाता है। यही वजह है कि देश शौचालयों की कमी से जूझ रहा है। सरकार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं के द्वारा जागरूकता लाने की तमाम कोशिशों के बावजूद लक्ष्य हासिल करने में लंबा वक्त लग रहा है। वैसे तो खुले में शौच करने में सभी को परेशानी होती है। लेकिन, महिलाओं को ज्यादा दिक्क़तों का सामना करना पड़ता है। लोक-लज्जा के साथ ही सुरक्षा का ख़तरा भी बना रहता है। यही वजह है कि अब महिलाएं भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज़ बुलंद कर रही है।

बीते दिनों खुले में शौच के दौरान बलात्कार की घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि यदि देश में शौचालय होंगे तो बलात्कार जैसी घटनाओं पर अंकुश लगेगा। ये सच है कि शौच के लिए महिलाओं को रात के अंधेरे में घर से बाहर जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में सुरक्षा का ख़तरा बना रहता है। कई बार देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शौच के लिए गयी लड़कियां बलात्कार का शिकार हो गई और यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में शौचालय को लेकर महिलाओं ने घर परिवार से लेकर सरकारी सिस्टम तक लंबी लड़ाई लड़ी है। यहां तक कि कई बार तो महिलाओं ने अपने ससुराल तक आने से मना कर दिया। जब तक घर में शौचालय नहीं होगा तब तक ससुराल नहीं जाएंगी। ये कहानियां भी सोशल मीडिया पर देखने और सुनने को मिली।

प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2019 में ही भारत को 'खुले में शौच मुक्त' घोषित कर दिया था। खुले में शौच मुक्त का सीधा सा मतलब है कि अब हमारे देश में लोग खुले में मल त्याग नहीं करेंगे। लेकिन अब भी न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी आबादी में भी लोग खुले में शौच करते देखे जा सकते हैं। खासकर सड़कों व रेल की पटरियों के किनारे, खेतों में यहां तक कि घर के बाहर खुले में लोग मल त्याग करते हैं। जो स्वच्छ भारत मिशन पर सवाल तो खड़े करता है। साथ ही सरकार और समाज की सोच पर भी करारा प्रहार करता है। एनएसएसओ की एक रिपोर्ट की मानें तो भारत के 71.3त्न प्रतिशत घरों में ही अब तक शौचालय बन पाएं हैं। ऐसे में सोचने वाली बात है कि जब शौचालय ही 100त्न घरों में नहीं बने तो भारत पूरी तरह खुले में शौच से मुक्त कैसे हो गया? वैसे सवाल यह भी है कि क्या शौचालय का इस्तेमाल करने वाले गंदगी नहीं फैला रहे? सच तो यह है कि पर्याप्त सुविधाओं के अभाव के चलते 'खुले में शौच मुक्त' होना भी एक नयी समस्या को जन्म दे रहा है।

बात अगर प्रसिद्ध नारीवादी चिंतक एवं लेखक सिमोन द बोउवार का कहना है कि करे तो उनका मानना था कि 'नारी पैदा नहीं होती बल्कि उसे नारी बना दिया जाता है।' हमारे देश की कुल आबादी में लगभग आधी हिस्सेदारी महिलाओं की है जो आज भी राजनीतिक, सामाजिक व आर्थिक रूप से वंचित और उपेक्षित है। देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक होने को है। फिर भी महिलाओं को पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं मिली है। आज भी महिलाओं को पितृसत्तात्मक समाज अपने पैरों की जूती ही समझता है तभी तो महिलाओं की परेशानी पुरुष प्रधान समाज को नज़र नहीं आती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रो में तो महिलाओं की स्थिति और भी ज्यादा दयनीय है। आज भी अपनी छोटी छोटी आवश्यकताओं के लिए पुरुषों पर ही निर्भर रहना ही महिलाओं की नियति बन चुकी है। महिलाओं की अपनी पीड़ा और अपना दर्द है जिसे मर्दवादी समाज दरकिनार कर देता है। फिर बात चाहे मासिक धर्म की हो या फिर खुले में शौच की? उसे अपनी पीड़ा स्वयं झेलना होता है। आज भी सार्वजनिक क्षेत्रों, मार्केटों में महिलाओं के लिए अलग टॉयलेट आसानी से उपलब्ध नहीं होते हैं। जो यह दर्शाता है कि महिलओं की नियति में संघर्ष हर क़दम पर है।

केंद्र सरकार की प्रमुख योजना स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय, विशेषकर जिला न्यायालयों में टॉयलेट (शौचालय) के नवीनीकरण और मरम्मत करने के लिए स्वच्छ न्यायालय परियोजना लॉन्च की गई थी। इस परियोजना को सभी 16,000 अदालत परिसरों में स्थित टॉयलेट को छह महीनों के अंदर बेहतर स्थिति में करने के लिए लॉन्च किया गया था। लेकिन दिल्ली में न्यायिक सुधार पर काम करने वाली स्वायत्त संस्था 'विधि' की सर्वे रिपोर्ट जिला अदालतों में महिलाओं के लिए शौचालयों की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। इस सर्वेक्षण में अदालत परिसरों में स्थित टॉयलेट की दयनीय स्थिति का खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार देश की 665 जिला अदालतों में से करीब 100 जिला अदालतें ऐसी हैं, जिनमें महिलाओं के लिए टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं जिनके कई जिलों में तो अदालत परिसरों में महिलाओं के लिए टॉयलेट ही नहीं हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया कि 'आंध्र प्रदेश में 69 प्रतिशत अदालत परिसरों में महिलाओं के लिए टॉयलेट नहीं हैं। ओडिशा में 60 प्रतिशत और असम में 59 प्रतिशत अदालत परिसरों में यही स्थिति है।' गोवा, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मिजोरम ऐसे राज्य हैं जहां सबसे कम अदालत परिसरों में टॉयलेट हैं।

अब आप सोच सकते हैं कि यहां महिलाएं कैसे काम करती होंगी या रोज़ाना उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ता होगा? सर्वे रिपोर्ट में बताया गया है कि आधे से ज्यादा जिला अदालतों में सुविधाओं का अभाव है। अब सवाल ये उठता है कि सरकार कोर्ट परिसर को अपडेट करने के लिए करीब 7000 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। आखिर वो पैसे कहां खर्च किए जा रहे हैं? सर्वे के मुताबिक देश में सिर्फ 40 फीसदी जिला अदालतें ऐसी हैं, जहां पूरी तरह सर्वसुविधायुक्त महिला शौचालय मौजूद हैं। सर्वे के अनुसार देश की 100 जिला अदालतों में महिलाओं के अलग से शौचालय की सुविधा तो बिल्कुल भी नहीं है। जिला अदालतों की ऐसी स्थिति निश्चित तौर पर चिंताजनक है। महिलाओं के लिए तत्पर दिखने का दावा करने वाली सरकार इसे कितनी गंभीरता से लेती है। ऐसे में अब ये देखने वाली बात होगी?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

3 बीघा में लहलहा रही 12 लाख की अफीम पकड़ी, दो गिरफ्तार

शिवपुरी- जिले के पोहरी अनुविभाग के छर्च थाना क्षेत्र से खुलेआम 3 बीघा के खेत में अफीम की खेती की जा रही थी। इस मामले की सूचना पर पुलिस ने उक्त अफीम की खेती को जप्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार एसडीओपी मनीष यादव को ?मुखबिर से सूचना मिली कि छर्च थाना क्षेत्र के देहदे और ककरा के बीच एक पहाडी के पास में एक खेत में अफीम की खेती लहलहा रही है। इस सूचना पर एसडीओपी यादव छर्च थाना प्रभारी योगेन्द्र सेंगर,बैराड थाने के एसआई अरविंद सिंह चौहान,पोहरी थाना पुलिस और सिरसौद थाना पुलिस की टीम लेकर रात में ही मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचे जहां पहाडों के पीछे नदी के किनारे कोमल आदिवासी निवासी ककरा के 3 बीघा के खेत में अफीम की खेती लहरा रही थी।पुलिस ने उक्त अफीम को कार्यवाही जद में लिया। बताया गया है कि इस अफीम की खेती पदम यादव पुत्र लक्ष्मी ?यादव निवासी ककरई हाल निवासी बडा पुल और कोमल आदिवासी निवासी ककरा के विरुद्ध कार्यवाही की गई है।जप्त की गई अफीम की कीमत अंर्तराष्ट्रीय बाजार में 12 लाख के लगभग आंकी जा रही है।फसल तैयार होने के बाद लगभग 40 लाख की अफीम इस खेत से पैदा होती। पुलिस ने उक्त कार्यवाही को अंजाम देते हुए पूरी अफीम को जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि जिस क्षेत्र में अफीम की खेती की गई है वह स्थान पूर्व में डकैतों की आरामगाह रही है आज भी इस क्षेत्र में ग्रामीण न के बराबर ही जाते हैं। पुलिस की कार्यवाही फिलहाल जारी है।

दोस्त ने की रखबाली, 14 साल की मासूम के साथ रेप

शिवपुरी- मामला जिले के पिछोर अनुविभाग के पिछोर थाना क्षेत्र के कुटावली गांव का है। जहां एक 14 वर्षीय किशोरी ने अपने ही गांव के दो युवकों पर रेप का मामला दर्ज कराया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार कुटवाली गांव की एक 14 वर्षीय किशोरी ने अपने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि वह अपने घर में अकेली थी। तभी गांव का ही जॉनी जाटव अपने साथी धर्मवीर जाटव के साथ आया और उसे बाईक से गांव में ही एक खण्डर स्थान पर ले गया। जहां आरोपी ने जॉनी ने किशोरी के साथ रेप की बारदात को अंजाम दिया। जबकि उसका साथी बाहर खडा होकर उसकी पहरेदारी करता रहा। इस मामले में पुलिस ने आरोपी जॉनी के खिलाफ रेप सहित पॉस्को एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। जबकि पहरेदारी करने वाले उसके साथी को सह आरोपी बनाया है।

मप्र पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर इटारसी के पांडे

इटारसी-मध्यप्रदेश पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता इंदौर के राऊ में 3 मार्च से 5 मार्च तक आयोजित की गई।इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के कई शहरों से पावर लिफ्टिंग में भाग लेने प्रतिभागी शामिल होने पहुँचे थे।इस प्रतियोगिता में 21 प्रतिभागी शामिल हुये।जिसमे से पुरानी इटारसी निवासी प्रेमनारायण पांडे उम्र 59 भी शामिल हुये जिन्होंने इतनी उम्र में श्री पांडे ने 460 किलो वजन उठाकर दूसरे स्थान पर अपना नाम पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दर्ज कराया।। पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर आए श्री पांडे का उनके मित्रों ने सिल्वर मैडल गले मे पहनकर खुशी जाहिर की है।उनके विजेता होने पर समाजसेवी अजय यादव,युवा व्यवसाई अक्षय तिवारी, युवा भाजपा नेता गोलू मालवीय के साथ अन्य मित्रों ने श्री पांडे को बधाई प्रेषित की है।

ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में सेंस्ड संस्था द्वारा महिला दिवस मनाया गया

ओबैदुल्लागंज संवाददाता .नगर के ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में सेंस्ड संस्था द्वारा महिला दिवस मनाया गया जिसमें सभी प्रशिक्षकों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया एवं सेंस्ड संस्था द्वारा सभी प्रशिक्षु कन्याओं एवं महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरण किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका मुख्य अधिकारी सोनाली शर्मा, सेंस्ड संस्था की सचिव डॉ सोनल मेहता, संस्था ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की प्रिंसिपल ललिता जयमोन, वार्ड क्रमांक 2 की पार्षद भारती नरेश सेठी, ब्लॉक समन्वयक राहुल नागर एवं सभी शिक्षक एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

आगामी त्योहारों को देखते हुए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

ओबैदुल्लागंज संवाददाता । आगामी समय में सबवे रात होली रंग पंचमी जैसे त्यौहार मनाया जाना है और यह सभी त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाए उसी को देखते हुए एसपी विकास कुमार सहवाग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा एवं एसडीओपी मलकीत सिंह के मार्गदर्शन में थाना ओबैदुल्लागंज , थाना मंडीदीप थाना नूरगंज के फोर्स के साथ ओबैदुल्लागंज पुलिस ने नगर के मुख्य मार्ग संतोषी माता मंदिर .मस्जिद, राम मंदिर गोहरगंज चौराहा अर्जुन नगर होते हुए पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया एसडीओपी मलकीत सिंह ने बताया कि इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य गुंडे बदमाश और असामाजिक तत्वों को मैसेज देना है कि जो भी शहर की फिजा बिगाड़ने की कोशिश करेगा उसके लिए ओबैदुल्लागंज पुलिस तैयार है और आम जनता को एक सुरक्षा का भाव महसूस हो इसके लिए फ्लैग मार्च निकाला गया है फ्लेग मार्च में एसडीएम प्रमोद गुर्जर तहसीलदार रघुवीर सिंह मरावी नायब तहसीलदार नरेश सिंह राजपूत एसडीओपी मलकीत सिंह, थाना ओबैदुल्लागंज प्रभारी संदीप चौरसिया मंडीदीप सतलापुर सहित तीनो थानों का फोर्स साथ रहा।

नाबार्ड ने महिला दिवस पर अच्छे कार्य करने वाली महिलाओं लीडरों को किया सम्मानित

खरगोन नाबार्ड द्वारा सोमवार को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नाबार्ड द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण सममृद्धि के लिए चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं क्षेत्र मे अच्छा कार्य करने वाली महिला लीडर को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डीडीएम श्री विजेंद्र पाटिल ने नाबार्ड के विभिन्न कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला एवं हितग्राहियों को कार्यक्रम के उद्देश्य के विषय में विस्तृत रूप से समझाया। कार्यक्रम में जिले के सभी विकास खंड से महिलाएं जुड़ी थीं। कार्यक्रम में लगभग 100 महिला प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें मंथन सहारा द्वारा संचालित स्व सहायता समूह, बालिका पंचायत तथा जवाहर मॉडल योजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए ग्राम केली से एलकी बाई, प्राची गुप्ता भगवानपुरा, जयश्री गुप्ता भगवानपुरा, संगीता पटेल, शीतल वर्मा, ममता, मंथन सहारा संस्था के ओएफपीओ महेश्वर से सिंधु जोशी, अपराजिता महिला संघ से पिंकी वर्मा को कुशल नेतृत्व तथा सुधा जयसिंह को कुशल उधमी के लिए पुरुस्कृत किया। समाज प्रगति संस्था की ग्राम बंझर में कुशल नेतृत्व एवं महिला सशक्तिकरण के लिए सूरज बाई को सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम में जैविक खेती, जवाहर मॉडल, मसाला प्रोसेसिंग यूनिट, स्व सहायता समूह के उत्पाद जिनमें गारमेंट के उत्पाद, एसिड, फ़िनाइल, साबुन एवं होम क्लीनर तथा ओएफपीओ महेश्वर के हेंडलूम के उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी। कार्यक्रम में पार्टीसिपेटरी एक्टिविटी के द्वारा लैंगिक समानता के विषय में जागरूकता दी गयी। नाबार्ड द्वारा कार्यक्रम में वित्तीय समावेश पर प्रश्न उत्तरी का भी आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं जानकारी प्राप्त की।

मुख्य अतिथियों मे महिला बाल विकास से सुधा मोयदे, पुलिस विभाग से रेखा एवं आकांशा, जेजेबी से सीमा जोशी तथा कृषि विभाग से अनीता शुक्ला, सिंधु जोशी महेश्वर द्वारा कार्यक्रम में महिलाओं को संबोधित किया।

लकड़ी की बल्ली खिसकने से भोईन्दा में हुई दुर्घटना

दुर्घटना प्रभावितों के वैद्य वारिसों को 2.50-2.50 लाख देने के निर्देश

खरगोन । शुक्रवार को कसरावद जनपद के भोईन्दा गांव में निर्माणाधीन पेयजल टंकी की गिरने से दो मजदूरों की हुई मृत्यु के मामले में कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने विभाग से रिपोर्ट मांगी थी। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री डीएस पचलैय्या को ठेकेदारों की ओर से परिजनों को 2.50-2.50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रभारी कार्यपालन यंत्री पचलैय्या ने कलेक्टर श्री वर्मा को रिपोर्ट प्रस्तुत की है। विभाग की रिपोर्ट के अनुसार तीसरी लिफ्ट के सपोर्ट में लकड़ी की बल्ली खिसकने में तीसरी लिफ्ट का ढांचा क्षतिग्रस्त होने से दुर्घटना हुई। जांच प्रतिवेदन में बताया कि नर्मदा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की रेट्रोफिटिंग नल योजना का कार्य नर्मदा इलेक्ट्रिकल्स भोपाल द्वारा अनुबंध किया गया है। योजना में 200 किमी. क्षमता 12 मी. स्टेजिंग की आरसीसी टंकी, 30 एवं 40 किली. क्षमता के आरसीसी सम्पवेल 1500 मीटर राइजिंग मेन तथा 5990 मीटर डियाट्रिब्यूशन पाइप लाइन, 300 नल कनेक्शन, मोटर पम्प सेट स्थापना एवं विद्युत कनेक्शन का कार्य किया जा रहा है। उच्च स्तरीय टंकी का कार्य टॉप डोम तक किया जा रहा है। इसमें स्टेयर केस (सीढ़ी) निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। अटेर केस की तीसरी लिफ्ट का कार्य घटना के 5 दिन पूर्व किया गया था। चौथी लिफ्ट निर्माण का कार्य बिना उपयंत्री और सहायक यंत्री को सूचित किये मजदूरों द्वारा किया जा रहा था। कार्य के दौरान असावधानी और त्रुटिवश तीसरी लिफ्ट के सपोर्ट में लकड़ी की बल्ली खिसकने से तीसरी लिफ्ट का ढांचा क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। इस दुर्घटना में भोपाल के तीन मजदूर शैलेन्द्र डुडु, गुन्ना नमाज और सुशील घायल हुए।

केन्द्रीय मंत्री ने जन चौपाल में सुनी समस्याएं

छतरपुर,। जनअभियान परिषद द्वारा 6 मार्च को ग्राम गठेवरा में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र खटीक की उपस्थित में जन चौपाल समस्या निवारण कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद सीईओ एवं विभागों के कर्मचारी मौजूद रहे। चौपाल में विभिन्न समस्याओं को ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा सामूहिक रूप रखा गया। जिसमें नशा मुक्त गांव बनाने तथा अवैध तरीके से शराबबंदी करवाने के संबंध में किए जा रहे प्रयासों को बताया गया। केन्द्रीय मंत्री द्वारा जन अभियान परिषद व प्रस्फुटन समिति द्वारा ग्राम में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। केन्द्रीय मंत्री ने आमजन की समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया।

बैंक खाते से आधार को लिंक कराना अनिवार्य

छतरपुर। पीएम किसान सम्मान निधि योजना में पात्र कृषकों को ई-केवायसी एवं बैंक खाते से आधार को लिंक करना अनिवार्य होगा। जिसके आधार पर ही आगामी किश्तों की राशि बैंक खाते में जमा होगी। इसके अभाव में पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिलेगा। पात्र ऐसे कृषक जिन्होंने पीएम किसान पोर्टल पर ई-केवायसी एवं बैंक खाते से आधार को लिंक नहीं कराया है वह 31 मार्च तक संबंधित बैंक में जाकर डीबीटी की कार्यवाही के साथ-साथ किसान पोर्टल पर ई-केवायसी की कार्यवाही सम्पन्न कराएं।

शिव महापुराण कथा के अमापन अवसर पर पूज्य गुरुदेव का सम्मान तवानगर में नर्मदापुरम

इटारसी। तवा देनवा के तट पर तवानगर में सिद्ध श्री दादाजी दरबार आश्रम में नौ दिवसीय संगीत में शिव महापुराण का समापन हुआ। कथावाचक पंडित सौरभ दुबे ने 12 ज्योतिर्लिंगों की कथा सुनाते हुए बताया कि इस पृथ्वी पर कैसे भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंगों की स्थापना हुई कथा श्रवण हजारों की संख्या में क्षेत्र की धर्म प्रेमी जनता उपस्थित रही।इस दौरान परशुराम यादव एवं अनुराधा यादव दिलीप यादव,लक्ष्मी नरायण यादव, बशारत खान ने परम पूज्य गुरुदेव ब्रह्मर्षि श्री श्री ज्ञानानंद जी महाराज एवं कथा वाचक पंडित सौरभ दुबे का सम्मान किया। वही बशारत खान और पंडित अंकित दुबे का भी सम्मान किया गया।

शिव माह पुराण कथा के दौरान ही रात्रि में नो दिनों तक लगातार पंडित अंकित दुबे के ग्रुप द्वारा अनेकों कलाकारों की प्रस्तुति सुंदर भजनो की दी गई , जिसमे मुंबई से पूर्णिमा अगले खंडवा से सतीश बाथम भोपाल से यूट्यूब सिंगार गुनगुन और गुंजन तिवारी पंडित अंकित दुबे मोहित मेहरा द्वारा महाकाल संध्या एवं निरंतर स्थानीय कलाकारों द्वारा अनेकों प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर दूरदराज से कथा श्रवण करने आए जिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पराज पटेल,सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा, सिवनी मालवा कांग्रेस के पूर्व विधायक ओम प्रकाश रघुवंशी, पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा, सिवनी मालवा विधानसभा कृषि मंत्री प्रतिनिधि यशवंत पटेल, कांग्रेस के युवा नेता पंडित समीर शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुधीर पटेल, किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बाबू चौधरी, प्रदेश महामंत्री प्रदीप दुबे,सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष जितेंद्र ओझा,लखन बेस,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष इटारसी रवि जयसवाल, प्रकाश श्रुति, हेमचंद कश्यप सहित दूर दर से आए

जिन्होंने कथा श्रवण कर समापन दिवस पर भंडारे की प्रसादी ली उनका सर्व धर्म सद्भावना समिति दादा दरबार के संरक्षक बशारत खान विधायक प्रतिनिधि श्रीमती रीता ठाकुर प्रदेश कांग्रेश महासचिव प्रदीप दुबे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पति की जमानत कराने के लालच में मुख्यमंत्री के ग बुधनी में महिला से गैंग रेप

सीहोर। मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र बुधनी से बड़ी खबर आई है। यहां पति के जमानत कराने के लालच में एक महिला के साथ तीन लोगों ने गैंग रेप किया। हालांकि महिला की शिकायत पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बताया जाता है कि बुधनी नगर के बुधनी के नेशनल हाइवे क्रमांक 69 मिडघाट सेक्शन के पास तीन लोगों ने महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। जिसकी रिपोर्ट पर बुधनी पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। एसडीओपी शशांक सिंह गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित महिला का पति चोरी के मामले में होशंगाबाद जेल में बंद है। जिसपर आरोपी सलीम उर्फ बल्लू ने पीड़ित महिला के पति की जमानत का झांसा दिया और दो दिन पहले महिला को बरखेडा बुलाया। इस दौरान आरोपी सलीम ने मिडघाट के पास महिला को उतार लिया जहां आरोपी के साथ उसके दो अन्य साथी भी मौजूद थे। वहां तीनों ने महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने तीनों ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें दो होशंगाबाद और एक बुधनी का है।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना बहनों के लिए होगी वरदान साबित, बूथ स्तर तक पहुंच जाएंगे योजना को: राकेश शर्मा

रायसेन। देश अमृत काल की तरफ बढ़ रहा है अमृत काल के दौरान मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने रविवार को जंबूरी मैदान भोपाल से किया। अब मप्र में महिलाओं को 1 हजार रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। इसके लिए आवेदन 25 मार्च से भरना शुरू होंगे। इस योजना के तहत महिलाओं को पहली किस्त 10 जून को मिलेगी। जिला सहमीडिया प्रभारी रोहित चौधरी ने मीडिया को बताया कि रायसेन जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने कहा कि लाड़ली बहना योजना द्वारा मप्र की बेटियां बोझ नहीं वरदान बनेंगी। मप्र में महिलाओं के लिए अनेक योजनाएं सरकार लेकर आई है, जिसका लाभ महिलाएं उठा रही हैं।

बिटिया लाड़ली है और सक्षम बेटियां हैं, आज बेटियां हर क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में खड़ी हैं। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना का रायसेन जिले में बूथ स्तर तक पारदर्शिता से क्रियान्वयन होगा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता इस योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाने के लिए सक्रियता की भूमिका में काम करें यह योजना बहनों के जीवन बदलने की योजना है अधिकारी भी इस योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए संवेदनशील रहे रायसेन जिले में मैं स्वयं योजना की बूथ स्तर तक मॉनिटरिंग करूंगा जिससे मध्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान द्वारा चलाई जा रही इस बिहान योजना का हर पात्र बहन लाभ ले सके।

शिविर में पुलिस ने दी छात्राओं को दी गुड टच, बैड टच पर जानकारी

पुलिस को जनता मददगार के रूप में देखें उनसे डरें नहीं - थाना प्रभारी

बरेली 7 शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बरेली के राष्ट्रीय सेवा योजना महिला इकाई के द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 01 मार्च से 7 मार्च तक किया जा रहा है। 6 मार्च को शिविर के छटवे दिवस का प्रारंभ योगाभ्यास से किया गया, स्वल्पाहार पश्चात् कार्यक्रम का शुभ आरंभ सरस्वती पूजन सृष्टि दुबे द्वारा सरस्वती वंदना कर किया गया। इस बीच महिला सशक्तिकरण विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बरेली थाना प्रभारी आशीष सप्रे, एसआई अरुणा साना,आरक्षक राजेश राजपूत उपस्थित रहें। सभी अतिथियों का स्वागत बैच लगाकर किया गया। उन्होंने आपने व्याखान में आज के समय में महिलाओं पर होने वाले अपराध उसका कारण उनसे बचने एवं अगर शिकार हो गए हो तो उसका समाधान बताया। अरुणा साना द्वारा गुड टच बैड टच पर जानकारी साझा की गई। उन्होंने अनेक प्रकार की धाराओं के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा की पुलिस को जनता के मददगार के रूप में देखें उनसे डरें नहीं। कार्यक्रम का समापन मधु सिलावट द्वारा अतिथियों का आभार प्रकट किया गया। बौद्धिक चर्चा के सत्र में प्रशांत राठी प्राचार्य गुरुकुल विद्यालय, तृप्ति दुबे स्वरोजगार व्याख्याता, अन्नपूर्णा सिंह सहायक प्राध्यापक बरेली महाविद्यालय, कु नताशा सराठे रहीं। इस सत्र में सभी अतिथियों ने स्वयंसेवकों को समझाइश देते हुए कहा किसी भी काम को करने पर यदि असफल हो तो उस कार्य को दुबारा दुगुने मनोबल के साथ पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए करें तो सफलता एक न एक दिन हासिल हो ही जाएगी। रा से यो पुरुष इकाई के पूर्व छात्र नीरज दुबे ने समस्त कार्यक्रम में सहयोग किया। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन रा से यो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवश्री बघमार द्वारा किया गया । कु पलक दुबे द्वारा अतिथियों का आभार प्रकट किया गया। बौद्धिक चर्चा की समाप्ति कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं द्वारा लोक गीत, लोक नृत्य की प्रस्तुति की गई जिससे संध्या खुशनुमा हो गई 7

राजेन्द्र वार्ड करेली में चर्च की भूमि पर अवैध निर्माण का मामला पहुंचा चर्च ऑफ़ इंडिया के विधिक सलाहकार तक

नरसिंहपुर। करेली में एक विवाद के बाद राजेन्द्र वार्ड में सामने आए चर्च की भूमि पर बने अबैध बहुमंजिला मकान सम्बन्धी मामला अब राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है। जहाँ पर इस मामले को वरिष्ठ पत्रकार भागीरथ तिवारी ने भारत सरकार द्वारा नियुक्त चर्च ऑफ इंडिया के विधिक सलाहकार श्री विनय डेविड को सौंप दिया है। मामले के संज्ञान में आने पर श्री डेविड ने कहा कि भारत भर में जितनी भी मिशन से जुड़ी सम्पत्तियां हैं वे सभी मिशन की वास्तविक सम्पत्ति हैं जिनकी न तो खरीद बिक्री हो सकती है और न किसी भी प्रकार का कोई नामांतरण आदि। अगर यदि चर्च से जुड़ी किसी भी भूमि पर किसी अन्य का कोई कबजा आदि है तो उस भूमि की खरीद फरोख्त व नामान्तरण कब्जा आदि सभी अवैध माने जाएंगे। करेली की उक्त भूमि के सम्बंध में शीघ्र वैधानिक कार्यबाही किए जाने की बात श्री डेविड द्वारा की गई। उल्लेखनीय है कि गत दिवस भगवान ब्रह्मा की तपोभूमि ब्राह्मण घाट पर ऑल इंडिया स्मॉल न्यूज़पेपर एसोसिएशन आइसना के प्रदेश अध्यक्ष विनय डेविड की अध्यक्षता व सम्भागीय अध्यक्ष पत्रकार मनजीत सिंग सहित जिले के पत्रकारों की उपस्थिति में वार्षिक बैठक का आयोजन किया था। आयोजन के बाद स्थानीय रेस्टहाउस बरमान में पत्रकारों के साथ सौजन्य भेंट के दौरान उक्त मामले को श्री डेविड के संज्ञान में लाया गया था। जिसमें भागीरथ तिवारी ने बताया कि करेली के डॉ राजेंद्र प्रसाद वार्ड में एन ई एम मिशन जूड़ा की चर्च की जमीन है। जिस पर डॉ टीएस चौहान द्वारा बहुमंजिला मकान बना कर किराये पर दिया गया है। श्री तिवारी ने बताया कि अतिक्रमण कारी द्वारा प्रशासन को भी झूठी शिकायत कर डॉ चौहान के पुत्र रजत चौहान जो कि भाजपा मंडल करेली का अध्यक्ष मंडल है। जो कि अधिकारियों व पार्टी के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों

के पास जाकर गलत जानकारी देते हैं जबकि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का निर्देश है कि किसी भी प्रकार कोई भी भू माफिया अतिक्रमण करें चाहे कोई भी हो बक्सा नहीं जावेगा। लेकिन यहाँ पर भाजपा का पदाधिकारी ही मुख्यमंत्री के निर्देशों को तक पर रखकर पद व पार्टी की गरिमा के विपरीत कार्य कर रहा है। श्री डेबिड ने कहा कि मिशन की भूमि को मुक्त कराने के लिए इस संबंध में अधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा व नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर उक्त भूमि को मुक्त कर ट्रस्ट में वापिस शामिल किया जावेगा।चर्चा में श्री डेविड ने बताया कि वर्तमान में वे देश भर में मौजूद मिशन की जमीनों की खोज पड़ताल कर उन्हें विधिवत पुनः ट्रस्ट के नाम वापस करने पर ही विशेष रूप से कार्य कर रहे हैं। जुड़ा की कोई भी ज़मीन की किसी भी प्रकार की खरीदी बिक्री या अन्य किसी भी प्रकार का निर्माण नामान्तरण, हस्तांतरण आदि भारत सरकार द्वारा अवैध घोषित किया गया है मौके पर करेली के पत्रकार भागीरथ तिवारी मनजीत छावड़ा, गीत गोविंद पटेल, अमित वर्मा, सुनील कौरव, संजय मेहरा गोविंद चौरसिया सहित जिले के पत्रकार मौजूद रहे।

देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स 5-मिलियन के क्लब में शामिल हुई

पुणे, एजेंसी। भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज 5 मिलियन यात्री वाहनों के उत्पादन का आंकड़ा छूने की घोषणा की है। कंपनी ने आज ही यह उपलब्धि हासिल की है और इसके कर्मचारियों ने बड़ी धूमधाम के साथ एक अनूठे तरीके से इसका जश्न मनाया, जिसमें टाटा मोटर्स फैमिली और टाटा की कारों और एसयूवी की बेहद पसंद की गई न्यू फॉरएवर रेंज ने मिलकर 50-लाख (5 मिलियन) का एक फॉर्मेशन बनाया। यह उपलब्धि भारतीय ग्राहकों के बीच कंपनी की कारों की लोकप्रियता का प्रमाण है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अपनी बात रखते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, आज टाटा मोटर्स के इतिहास में उत्सव का एक पल आया है, क्योंकि हम 5 मिलियन कारों के उत्पादन की उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं। हर मिलियन से लेकर अगले मिलियन तक यह सफर उतार-चढ़ावों से भरा रहा है। हम हर नये उत्पाद के साथ भारत को बदल रहे हैं। हर इनोवेशन को राष्ट्र निर्माण के आइडिया को ध्यान में रखकर किया गया है। कई नई टेक्नोलॉजीज लाने के लिये हमारे ब्राण्ड ने ग्राहकों से सम्मान पाया है और हम अपने ग्राहकों के शानदार समर्थन के लिये आभार व्यक्त करते हैं, क्योंकि यह महत्वपूर्ण उपलब्धि उनके कारण संभव हुई है। इस उपलब्धि का श्रेय हम अपने कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं, चैनल भागीदारों और सरकार को उनके निरंतर सहयोग के लिये देते हैं। टाटा मोटर्स में हम लगातार कुछ ना कुछ नया करने और ज्यादा सुरक्षित, स्मार्ट तथा पर्यावरण के अनुकूल समाधानों के साथ भारत में मोबिलिटी के भविष्य की ओर बढ़ने में एक अग्रणी साझीदार बनने के लिये प्रतिबद्ध हैं। 5 मिलियन कारों के उत्पादन की उपलब्धि का उत्सव मनाने के लिये, टाटा मोटर्स भारत में ग्राहकों और कर्मचारियों के लिये जश्न का एक कैम्पेन शुरू करेगी।

कोटक सिल्क ने पहले गिफ्ट सिटी में मेरी उड़ान, मेरी पहचान प्रतिमा का अनावरण किया

अहमदाबाद, एजेंसी। कोटक महिन्द्रा बैंक लि. (केएमबीएल / कोटक) ने 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले, आज ही गिफ्टसिटी में विशेष रूप से तैयार की गई एक प्रतिमा का अनावरण किया है। इस प्रतिमा का नाम है मेरी उड़ान, मेरी पहचान'' और 21 फीट ऊँची यह प्रतिमा भारत की आत्मनिर्भर महिलाओं के अदम्य जोश को सलाम करती है और इसका लक्ष्य देशभर की महिलाओं को प्रेरित करना है। विशेष रूप से तैयार की गई, यात्रा कर रही इस प्रतिमा को कारीगर शैला नाम्बियार ने डिजाइनकिया है और यह भारत की उन महिलाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करती है, जो आत्मविश्वास के साथ अपने आर्थिक मामलों को संभाल रही हैं और आर्थिक आजादी की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इस प्रतिमा के कंधों पर लहरा रहा लाल कैप कोटक की पहचान के प्रतीक 'इनफिनिटी' से प्रेरित है और महिलाओं की असीमित शक्ति, मजबूती और दृढ़ता का प्रतीक है। यात्रा कर रही इस अनूठी प्रतिमा का अनावरण पिछले वर्ष गुरुग्राम में हुआ था। आज यह अहमदाबाद के पास गिफ्ट सिटी में पहुँची है। गिफ्ट सिटी में आयोजित एक इवेंट में मेरी उड़ान, मेरी पहचान'' नामक प्रतिमा का अनावरण मुख्य अतिथियों- गुजरात सरकार के वित्त विभाग की प्रधान सचिव (आर्थिक मामले) सुश्री मोना खंधर; अंतर्दिशा की प्रेसिडेंट, फ्लेम यूनिवर्सिटी की संस्थापक एवं प्रेसिडेंट और आईआईएम ए की भूतपूर्व डीन डॉ. इंदिरा पारिख; फिक्की एफएलओ, अहमदाबाद चैप्टर की चेयरपर्सन डॉ. रचना गेमावत और एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज अहमदाबाद की प्रिंसिपल डॉ. राजुल गुज्जर ने किया। इस अवसर पर कोटक महिन्द्रा बैंक लिमिटेड की पूर्णकालिक निदेशक सुश्री शांति एकम्बरम, बैंक के सीनियर लीडर्स, कोटक के ग्राहक और विभिन्न संस्थाओं की प्रमुख महिला लीडर्स भी मौजूद थीं।

अमेजन फैशन ने की 10 से 14 मार्च के बीच मेगा फैशन डेज़ की घोषणा

अपने पसंदीदा फैशन एंड ब्यूटी ब्रांड पर 70 प्रतिशत तक की छूट पाएं

मुंबई, एजेंसी। अमेजन फैशन ने अपने मेगा फैशन डेज की घोषणा कर दी है। यह पांच दिनों तक चलने वाला एक शॉपिंग इवेंट है, जिसमें आपके पसंदीदा फैशन ब्रांड्स पर कुछ बेहतरीन डील्स देखने को मिलेंगी। 10 से 14 मार्च तक यहां आइए और अमेजन फैशन पर उपलब्ध सीज़न की सबसे बेहतरीन डील्स एवं ऑफर्स के साथ फैशन एंड ब्यूटी से जुड़े अपने सभी जरूरी प्रोडक्ट की खरीदारी कीजिए। अमेजन फैशन में परिधान, जूते, हैंडबैग, एक्सेसरीज, कॉस्मेटिक्स, स्किन केयर, हेयर केयर आदि जैसे विभिन्न प्रकार के उत्पादों के साथ आपकी फैशन एंड ब्यूटी से जुड़ी सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए ब्रांडों का सबसे बड़ा संग्रह उपलब्ध है। ग्राहक टॉप फैशन एवं सौंदर्य प्रोडक्ट पर 70 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं। मेगा फैशन डेज के दौरान, प्राइम ग्राहक परिधान, फुटवियर, ब्यूटी, लक्ज़री ब्यूटी एवं ज्वेलरी (सोने और चांदी के सिक्कों को छोड़कर) के 3,000 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर और घड़ियों एवं लगेज की खरीदारी पर 5,000 रुपये के न्यूनतम ऑर्डर पर 500 रुपये तक के 10 प्रतिशत अतिरिक्त अमेजन पे कैशबैक का आनंद उठा सकते हैं।ग्राहक 10 से 14 मार्च तक इंडसइंड क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 2,500 रुपये के न्यूनतम लेनदेन पर 750 रुपये तक के 10 प्रतिशत के इंस्टेंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं। वहीं 10 मार्च 2023 को बैंक ऑफ बड़ौदा क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 2,000 रुपये के न्यूनतम लेनदेन पर 500 तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहक आईडीबीआई क्रेडिट और डेबिट कार्ड के माध्यम से 2,000 रुपये के अधिकतम लेनदेन पर 500 रुपये तक के 10 प्रतिशत इंस्टेंट डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं।

घरेलू उत्पादन अनुमान के अनुसार रहे तो चीनी का और निर्यात संभव, अधिकारी ने दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यदि घरेलू उत्पादन अनुमानित 33.6 मिलियन टन तक पहुंच जाता है तो इस साल 10 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि देश में चीनी की उपलब्धता संतोषजनक है, हालांकि चालू विपणन वर्ष 2022-23(अक्टूबर-सितंबर) में कुल चीनी उत्पादन घटकर 33.6 मिलियन टन रहने का अनुमान है। विपणन वर्ष 2021-22 में चीनी का उत्पादन 35.9 मिलियन टन रहा था। खाद्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव सुबोध कुमार ने संवाददाताओं से कहा, अगले महीने हमें चीनी उत्पादन के ठोस आंकड़े मिलेंगे और उसके बाद हम आगे चीनी निर्यात पर फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि चालू विपणन वर्ष 2022-23 के फरवरी तक चीनी उत्पादन 24.7 मिलियन टन पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, अधिक निर्यात संभव है यदि हमारे पास अनुमानित 33.6 मिलियन टन से अधिक चीनी उपलब्ध हो। बता दें सरकार ने इस साल 6 लाख टन (6 मिलियन टन) चीनी के निर्यात की अनुमति दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है और शीर्ष निर्यातकों में से एक है।

संस्कार सुधा फाउंडेशन और मध्यप्रदेश प्रेस क्लब ने किया सशक्त महिलाओं का सम्मान...

नारी का दूसरा नाम जीवन दाता: विश्वास सारंग

- भारतीय परिधानों के फैशन शो से चुनी गई मिस एमपी और मिसेस एमपी

भोपाल। विश्व महिला दिवस के पूर्व राजधानी के मानस भवन सभागार में आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा, गैस राहत मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि नारी नारायणी है एयर सनातन काल से जीवन प्रदाता रही है ।यदि हमें विद्या चाहिए तो मां सरस्वती की पूजा करना है, किसी देव की नहीं, यदि हमें शक्ति की आवश्यकता है तो हमें मां दुर्गा की आराधना करनी होगी किसी अन्य देव की नहीं और यदि हमें धन पाना है तो हमें मां लक्ष्मी को साधना होगा। सशक्तिकरण की आवश्यकता भारत में नहीं विदेशों में होती है, हमारे यहां स्त्री अनादि काल से सशक्त है और आगे भी रहेगी , मध्य प्रदेश सरकार और केंद्र की सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए काम कर रही है। लाडली लक्ष्मी योजना के बाद मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना भी इसी दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यसभा सांसद रघुनंदन शर्मा ने की।

भोजन के विशेष अतिथि नेहरू युवा केंद्र के राज्य समन्वयक सुरेंद्र शुक्ला एवं समाज सेविका डॉली शर्मा की।

इस मौके पर प्रदेश की 21 सशक्त महिलाओं का सम्मान किया गया जिसमें प्रमुख रूप से बहुमुखी प्रतिभा की धनी डॉ तपस्या तोमर, शिक्षाविद अर्चना शर्मा सामाजिक क्षेत्र से श्रीमती कनिका शर्मा उद्यमिता क्षेत्र से प्रीति तिवारी पत्रकारिता क्षेत्र से मुक्ता पाठक थी। आयोजन में प्रदेशभर से प्राप्त प्रविष्टियों के आधार पर मिस एमपी मिसेस एमपी, मिस्टर एमपी का चयन भी किया गया। भारतीय परिधानों में मॉडल रैंप पर चले और उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन किया। आयोजन की सूत्रधार संस्कार सुधा फाउंडेशन की चेयरमैन श्रीमती रश्मि अग्रवाल थी, मध्य प्रदेश प्रेस क्लब की ओर से प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नवीन आनंद जोशी ने सम्मानितो को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से स्व सहायता समूह की महिलाओं ने अपने यहां उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई और आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश की तरह में आत्मनिर्भर नारी समाज बनने का संदेश दिया।इस अवसर पर संस्था की स्मारिका संकल्प सिद्धि 2023 का विमोचन भी किया गया।आयोजन का मुख्य आकर्षण मुंबई से आई टीवी एक्ट्रेस सुबहा राजपूत और एक्टर, मॉडल रफी मलिक थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती दीपिका ने किया एवं आभार यशस्वी अग्रवाल ने माना।

प्रतिभागियों को मिले आकर्षक उपहार और डायमंड रिंग- आयोजन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से आकर्षक उपहार दिए गए जिसमें विजेताओं को डायमंड रिंग भी प्रदान की गई।मिसेस एमपी के रूप में श्रीमती प्रियंका सिंह विजेता चुनी गई जबकि लीला पांडे उपविजेता रही और दिव्या तिवारी सेकंड रनर अप बनी। मिस एमपी की स्पर्धा भी रोचक रही जिसमें मिस कशिश राय प्रथम दिव्या गोयल द्वितीय और मोहना तृतीय स्थान पर रही। विजेताओं को क्राउनिंग एवं डायमंड रिंग के साथ सम्मानित किया गया।

जाह्नवी कपूर बहुप्रतीक्षित एनटीआर 30 में मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के साथ नजर आएंगी

मुंबई। जान्हवी कपूर ऑफिशल तौर पर एनटीआर जूनियर के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म एनटीआर 30 की टीम में शामिल हो गई हैं। फिल्म का निर्देशन जनता गैराज के निदेशक कोराताला शिवा करेंगे और 5 अप्रैल 2024 को पूरे भारत में रिलीज होने की उम्मीद है। अभिनेत्री ने कई मौकों पर एनटीआर जूनियर के साथ काम करने की अपनी इच्छा जाहिर की थी, इस जोड़ी को पहली बार स्क्रीन पर देखना खास होगा। इस फिल्म से जाह्नवी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगी।

जैसा कि पोस्टर में सही बताया गया है, अभिनेत्री जान्हवी कपूर नाव चलाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और % %एनटीआर 30% की भीषण दुनिया से तूफान में शांत हो जाती है। मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के साथ अभिनय करते हुए, ये दोनों अपने फैंस को एक बड़े पैमाने पर उपहार देने के लिए तैयार हैं। एनटीआर 30 का निर्माण एनटीआर आर्ट्स के हरि कृष्ण के और युवसुधा आर्ट्स के सुधाकर मिकिलिनेनी द्वारा किया जाएगा और बेहद प्रतिभाशाली अनिरुद्ध रविचंदर संगीत के प्रभारी होंगे, आर रत्नावेलु कैमरा संभालेंगे, साबू सिरिल कला का संचालन करेंगे और श्रीकर प्रसाद फिल्म के एडिटर बनें। इस उत्कृष्ट कृति को बनाने के लिए एक साथ आने वाली अद्भुत टीम के कारण फैंस अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हैं और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

भोपाल मे पधारे कर्नाटक के राज्यपाल महामहिम थावर चन्द्र गेहलोत जी से सौजन्य भेट की, इस अवसर पर भोपाल जैन समाज के श्रेष्ठी एवं भाजपा के कमल अजमेरा जी ने हम सभी का परिचय कराया। भोपाल चेम्बर के यशश्वी अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पॉली ने महामहिम का स्वागत पुष्पमाल से किया। आदित्य मनयाँ जैन ने उन्हे चेम्बर का बेच प्रदान किया चेम्बर के कार्यकारणी सदस्य मंगलवारा कमेटी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष शेलेष प्रधान एवं सुरेश समरधा भी उपस्थित थे। इस शुभ अवसर पर आचार्य विद्यासागर जी के जीवन पर आधारित आर्यिका रत्न श्री 105 पूर्णमति माता जी द्वारा रचित ज्ञान धारा पुस्तक महामहिम जी को भेट की।

महिलाओं को आईसीआईसीआई लोम्बाड दे रही है पूरे महीने स्पेशल ऑफर, मना रही है विमेंस मंथ

कंपनी ने पूरे मार्च महीने को वीमेंस मंथ के रूप में मनाने का फैसला किया है

मुंबई एजेंसी। इसी महीने 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस है। इस अवसर पर देश भर में महिलाओं के लिए कुछ न कुछ विशेष होता है। इसी क्रम में जनरल इंश्योरेंस कंपनी आईसीआईसीआई लोम्बार्ड ने बड़ी घोषणा की है। कंपनी ने कहा है कि वह मार्च महीने को विमेंस मंथ (महिला माह) के रूप में मनाएगी। इस दौरान कंपनी महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की पेशकश करेगी।

किन्हें मिलेगी यह सुविधा- आईसीआईसीआई लोम्बार्ड से मिली जानकारी के अनुसार महिलाओं को फ्री हेल्थ चेकअप की सुविधा देश के प्रमुख शहरों में पहले आओ पहले पाओ के आधार पर मिलेगा। यह सुविधा 10,000 महिलाओं के लिए उपलब्ध होगी। इसके अलावा, महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कंपनी महिला एजेंट और ब्रोकर की भर्ती और उन्हें शिक्षित करने के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू करेगी। महिलाएं इस पूरे महीने के दौरान फ्री रोडसाइड असिस्टेंस सर्विस का भी लाभ उठा सकती हैं।

कैसे मिलेगी यह सुविधा- इस पहल के तहत, हेल्थ डायग्नोस्टिक चेक-अप में सीबीसी, थायराइड प्रोफाइल, विटामिन डी और बी12, आरबीएस, फेरेटिन (आयरन स्टडी) शामिल होंगे। भारत के विभिन्न शहरों में रहने वाली महिलाएं आईएल टेककेयर ऐप के माध्यम से इन सेवाओं का लाभ उठा सकती हैं। यह ऐप उनकी स्वास्थ्य और बीमा आवश्यकताओं को मैनेज करने के लिए एक सुविधाजनक और उपयोग में आसान प्लेटफार्म प्रदान करता है।

राजीव जैन अदाणी समूह में 15,446 करोड़ के शेयर खरीदकर संकटमोचक बने

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के प्रमोटरों ने अमेरिका की वैश्विक इक्विटी-निवेश कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स को 15,446 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी बेच दी। बता दें कि बीते 24 फरवरी को अदाणी समूह के संबंध में हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से एक रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद समूह के सभी शेयर धराशायी हो गए थे। अब जीक्यूजी के निवेश की खबर के बाद समूह की कंपनियों ने फिर से हरे रंग में कारोबार करना शुरू कर दिया है। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद अदाणी समूह के शेयरों में बिकवाली दिखी। हालांकि इस बीच एक नाम काफी चर्चा में है और वह नाम है दिग्गज निवेशक राजीव जैन का। उन्होंने जब से अदाणी समूह में एंट्री मारी है जब से समूह के शेयरों में निवेशकों की रुचि एक बार फिर बढ़ गई है।

जीक्यूजी के लिए निवेश की रणनीति तैयार करते हैं राजीव जैन - राजीव जैन जीक्यूजी पार्टनर्स के चेयरमैन और चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर हैं। वे जीक्यूजी के लिए निवेश की रणनीति तैयार करते हैं। जीक्यूजी से पहले वे वॉनटोबेल एसेट मैनेजमेंट के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर के रूप में भी काम कर चुके हैं। पोर्टफोलियो के रूप में उन्होंने वर्ष 1994 में काम करना शुरू किया था। उनके नेतृत्व में जीक्यूजी निवेश क्षेत्र में 92 अरब डॉलर का पावरहाउस बन चुका है।

राजीव जैन ने 2016 में की थी जीक्यूजी की शुरुआत- ऐसे तो राजीव जैन का जन्म भारत में हुआ था पर वे 1990 में अमेरिका चले गए। वहां पहुंचकर उन्होंने मियामी यूनिवर्सिटी में एमबीए करने के लिए

दाखिला लिया। साल 1994 में उन्होंने वॉनटोबेल ज्वाइन किया। 2002 तक वे कंपनी के चीफ इन्वेस्टमेंट मैनेजर बन गए। वर्ष 2016 में उन्होंने जीक्यूजी की शुरुआत की। उनके अगुवाई में वॉनटोबेल इमर्जिंग मार्केट ने दस वर्ष में 70 फीसदी तक का रिटर्न देने की उपलब्धि हासिल की। यह एमएससीआई के इमर्जिंग बाजारों से जुड़े फंड्स का लगभग दोगुना है। जीक्यूजी ने वर्ष 2021 में ऑस्ट्रेलिया में अपना आईपीओ लॉन्च किया और 893 मिलियन डॉलर की रकम जुटाई।

अदाणी समूह के पास बढ़िया असेट्स और वे शानदार वैल्यूऐशन पर उपलब्ध-राजीव जैन- बीते हफ्ते गुरुवार को अदाणी समूह की ओर से बताया गया कि जीक्यूजी ने 15446 करोड़ रुपये का निवेश कर अदाणी समूह की चार कंपनियों में हिस्सेदारी खरीदी है। उसके बाद से अदाणी समूह के शेयरों में बढ़िया मजबूती दिखी। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियन फाइनेशियल रिव्यू से बातचीत में राजीव जैन ने कहा कि अदाणी समूह के पास शानदार असेट्स हैं और उससे भी बढ़िया ये हैं कि वे बहुत ही आकर्षक वैल्यूएशन पर उपलब्ध है। बीते पांच वर्षों से उनकी नजर समूह के शेयरों पर थी पर तब वे महंगे थे। राजीव जैन ने भरोसा जताया है कि समूह में उनका निवेश सकारात्मक साबित होगा। जैन के मुताबिक भारत में 25 फीसदी एयर ट्रैफिक अदाणी समूह की ओर से संचालित हवाई अड्डों से गुजरते हैं। कार्गो वॉल्यूम में भी 25 से 40 फीसदी तक अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स की हिस्सेदारी है।

तेल, तंबाकू और बैंकिंग जैसे कारोबार पर दांव लगाते हैं राजीव जैन- उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, राजीव जैन जीक्यूजी की लॉन्ग-ओनली इक्विटी रणनीतियों के लिए पोर्टफोलियो मैनेजर और एक विश्लेषक के रूप में भी काम करते हैं। उनके अधिकांश सफल निवेश दांव तेल, तंबाकू और बैंकिंग जैसे पारंपरिक व्यावसायों में हैं। ऑस्ट्रेलियाई स्टॉक एक्सचेंज पर जीक्यूजी की फाइलिंग के अनुसार, जहां यह अक्टूबर 2021 में लिस्ट हुआ था, जैन के पास कंपनी की 69 प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसका मूल्य लगभग 2 अरब डॉलर है। राजीव जैन जीक्यूजी पार्टनर्स के चेयरमैन और चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर हैं। वे जीक्यूजी के लिए निवेश की रणनीति तैयार करते हैं।

ब्रिक्स सीसीआई वी ने आर्थिक समानता के लिए महिलाओं के प्रयासों में डिजिटल समावेश को एक प्रमुख गेमचेंजर के रूप में रेखांकित किया

वुमेन शेपिंग दि टेकेड विषय पर वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित

नयी दिल्ली, एजेंसी। इस दशक को टेकेड बनाने के प्रधानमंत्री के विज़न के साथ लिंग आधारित डिजिटल समावेश पर जी 20 के ध्यान देने के साथ ब्रिक्स चैंबर ऑफ्कामर्स एंड इंडस्ट्री की महिला इकाई ब्रिक्स सीसीआई वी ने वुमेन शेपिंग दि टेकेड थीम पर अपना तीसरा वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया। ब्रिक्स चैंबर ऑफ्कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ब्रिक्स एवं अन्य मित्र देशों के बीच व्यापार, वाणिज्य एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने की दिशा में काम करता है।

इस सम्मेलन में कुछ असाधारण महिलाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने टेकेड को आकार देने और विभिन्न क्षेत्रों में महिला उद्यमियों और नेताओं के प्रयासों को पहचान देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। दूरसंचार विभाग के पूर्व सचिव श्रीमती अरूणा सुंदराजन को विश्वस्तरीय नेशनल डिजिटल कम्युनिकेशन पॉलिसी, 2018 और भारत की 5 जी नीति का निर्माण करने के लिए लाइफ्टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

इस सम्मेलन की लेसोथो किंगडम के उच्चायुक्त श्री थबाग लिनस खोलुमो ने भी शोभा बढ़ाई। अमेरिका, चीन और जांबिया के दूतावासों से प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन में शामिल हुए। दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन सुश्री स्वाति मालीवाल ने सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया। वहीं त्रिपुरा भवन में विशेष स्थायी आयुक्त सुश्री सोनल गोयल (आईएएस) ने भी इस सम्मेलन को अपने प्रेरणादायक शब्दों से संबोधित किया।

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के नेशनल हेल्थ मिशन में उपायुक्त डॉक्टर जोया अली रिजवी, डीआरडीओ में महानिदेशक (उत्पादन समन्वय एवं सेवा संवाद) डॉक्टर श्रीमती चंद्रिका कौशिक, सेइरोस की बोर्ड सदस्य डॉक्टर रतन दीप कौर वर्क और क्रिएटिव गैलीलियो की संस्थापक सुश्री प्रेमा झुनझुनवाला को भी ट्रेलब्लेजर्स के तौर पर सम्मानित किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन सुश्री स्वाति मालीवाल ने टेकेड में आगे बढ़ने के लिए महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण के निर्माण की जरूरत पर बल दिया। ब्रिक्स सीसीआई वी की अध्यक्ष सुश्री शबाना नसीम ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा, महिलावाद के बारे में चर्चा केवल महिलाओं को सशक्त बनाने के बारे में नहीं है। महिलाएं पहले से ही ताकतवर हैं और महिलाओं के प्रति विश्व के नजरिये में बदलाव की जरूरत है। ब्रिक्स सीसीआई के चेयरमैन एवं महानिदेशक डॉक्टर बीबीएल मधुकर ने कहा, आइये एक ऐसे विश्व का निर्माण करें जहां महिलाएं महज टेक्नोलॉजी की उपभोक्ता ना होकर निर्माता एवं नवप्रवर्तक हों और उन बाधाओं को निरंतर दूर करें जिन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ने से रोक रखा है ताकि हम हर किसी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें। ब्रिक्स सीसीआई के वाइस चेयरमैन श्री समीप शास्त्री ने कहा, जब तक हम रूढीवादी व्यवस्थाओं को खत्म नहीं करते जो महिलाओं को स्टेम में प्रवेश करने से रोक रही हैं, उनके समग्र विकास की संभावना नगण्य रहेगी।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में आईआईटी मद्रास का चार वर्षीय बैचलर ऑफ साइंस कोर्स लॉन्च किया

चेन्नई, एजेंसी। भारत के माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) का चार वर्षीय ऑनलाइन बैचलर ऑफ साइंस (बीएस) कोर्स लॉन्च किया।

प्रोग्राम का उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड उत्पादन के क्षेत्र में कौशल प्राप्त ग्रैजुएट की आवश्यकता और बढ़ती मांग पूरी करना है। इसमें कई बार प्रोग्राम से बाहर निकलने का विकल्प है और विद्यार्थी फाउंडेशन लेवेल का सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या फिर बीएस डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन के अनुरूप है जो भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पादन और डिजाइन का वैश्विक केंद्र बनाने में योगदान देगा। डेटा साइंस और एप्लिकेशन में बीएस डिग्री शुरू करने के बाद आईआईटी मद्रास का यह दूसरा ऑनलाइन बीएस प्रोग्राम है। पूर्व के प्रोग्राम में आज 17,000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। आज (6 मार्च 2023) इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स में बीएस प्रोग्राम शुरू किया गया। इस अवसर पर श्री के संजय मूर्ति, सचिव, उच्च शिक्षा, भारत सरकार (वर्चुअली जुड़े), डॉ. पवन के गोयनका, अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईटी मद्रास (वर्चुअली जुड़े), प्रोफेसर वी. कामकोटि, निदेशक, आईआईटी मद्रास, कार्यक्रम समन्वयक, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स में बीएस, आईआईटी मद्रास, उद्योग प्रमुखों और अन्य फैकल्टी के अन्य सदस्यों की उपस्थिति रही।

एनएसएस की स्वयं सेविकाओं ने सूखी होली खेलकर जल संरक्षण का संदेश

छिंदवाड़ा । राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिन्दवाड़ा की प्राचार्य डॉ. अजरा एजाज के निर्देषन में आज दिनांक 06.03.2023 राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी द्वय इकाई 01 प्रो. पूनम उसरेठे एवं प्रो. रिंकी भाबर इकाई 02 के मार्गदर्शन में सूखी होली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत एनएसएस की स्वयं सेविकाओं ने सूखी होली खेल जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। एनएसएस की स्वयं सेविकाओं को संबोधित करते हुए प्रो. पूनम उसरेठे ने कहा कि होली पर हरे भरे पौधे को ना काटे लकड़ी होली ना जलाकर कंडे की होली जलाए। प्रो. रिंकी भाबर ने कहा कि ने कहा कि सूखे रंगो से होली खेले एवं पानी व्यर्थ ना बहाएं। कार्यक्रम में वरिष्ठ स्वयं सेविका प्रिया डोहले, आंकाक्षा डोहले, पायल बघेल, मुंशरिफ अंसारी, अजना इवनाती, शारदा बरकड़े, रीना उईके सहित बडी संख्या में स्वयं सेविकाएं उपस्थित रही।

21 फिट होलीका पुतले का होगा दहन

छिंदवाड़ा । वैदिक परंपरा के अनुसार प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी चौबे बाबा भक्त परिवार होलिका उत्सव समिति छोटी बाजार छिंदवाड़ा द्वारा होलिका का दहन किया जाएगा। समिति द्वारा बताया गया कि इस वर्ष छोटी बाजार प्रांगण में विशाल 21 फिट ऊंचे होलिका के पुतले का दहन किया जाएगा । इसके पूर्व 21 विवाहित जोड़ों द्वारा शाम 07 बजे वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ पूजन किया जाएगा। इस वर्ष विशेष रूप से होलिका दहन पर नशे मुक्ति का संदेश दिया जाएगा एवं पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए गोबर के कंडे, रार एवं गुगल का प्रयोग दहन हेतु किया जायेगा।

एनएसयूआई में हुई नियुक्तियॉ

छिंदवाड़ा । जिला एन.एस.यू.आई. विधानसभा छिंदवाड़ा आई.टी. सेल अध्यक्ष अंसार मंसूरी ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ, सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे और जिला एन.एस.यू.आई. अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर एवं विधानसभा अध्यक्ष निहाल सक्सेना की सहमति से विधानसभा एन.एस.यू.आई. कार्यवाहक अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह यदुवंशी, ब्लाक महामंत्री संत कुमार यदुवंशी, ब्लाक महासचिव रविन्द्र अहिरवार की नियुक्ति की गई है ।

गोलू धुर्वे खजरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बना विजेता

पौनार पट प्रतियोगिता में दौड़ी 80बैल जोड़ियां

अमरवाड़ा । विकासखंड के ग्राम पौनार में सार्वजनिक पट समिति के तत्वाधान में डुगरिया रोड मैदान पर विशाल पट प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा जिले के साथ-साथ सिवनी एवं अन्य जिलों से आई लगभग 80 बैल जोड़ी ने भाग लेकर अपना प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में गोलू धुर्वे खजरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता होने का गौरव हासिल किया वही दूसरे स्थान पर प्रकाश पाल चीचगांव वाले रहे इनके अलावा समिति द्वारा 15 अन्य प्रतिभागियो को भी पुरस्कृत किया गया ।

त्योहारों के रंगों को फीका कर रही आसमान छूती महंगाई : आनंद बक्षी

छिंदवाड़ा । कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष आनंद बक्षी ने कहा कि मंहगाई की मार का असर झेल रहे मध्यम एवं गरीब वर्ग के त्योहारों का आनंद आसमान छूती मंहगाई की वजह से किरकिरा हो रहा है।होली, चैत्र नवरात्र, श्री राम नवमी, श्री हनुमान जयंती, रमजान जैसे त्योहारों में राशन की दुकानों से शक्कर एवं मिट्टी का तेल गायब हैं। होली पर पिछले वर्ष की अपेक्षा पकवान बनाने वाले सामानों में महंगाई का असर है, बुधवार को सिलिंडर के दाम में 50 रुपये की बढ़ोतरी हो गई साथ ही, मैदा, सूजी, ड्राई फ्रूट्स सभी के दाम में पिछले वर्ष की अपेक्षा वृद्धि हुई हैं।पिचकारी एवं रंगों पर लग्ज़ टैक्स लगने से इन्हें खरीदना मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग को भारी पड़ रहा हैं।आनंद बक्षी ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मार्च एवं अप्रेल में पड़ रहे इन त्योहारों पर केंद्र एवं राज्य सरकारों ने कोई भी सज्ञान नही लिया।कांग्रेस धर्म एवं उत्सव प्रकोष्ठ ने यह मांग की है कि पिचकारी और रंगों पर लग्ज़ टैक्स को माफ किया जाए, तथा होलिका दहन के लिए रियायती दरों पर लकड़ी एवं गोबर से बने उत्पाद उपलब्ध कराया जाए।तथा आगामी त्योहारों के लिए प्रत्येक मध्यम वर्ग एवं गरीब परिवार को प्रति यूनिट 2 किलो शक्कर एवं मिट्टी का तेल दिया जाए।

15 ट्रेनो का स्टॉपेज शुरू नही किया तो होगा उग्र आंदोलन

पांढुर्ना से गुजरने वाली ट्रेनों की रेलवे स्टेशन पर स्टॉपेज की मांग, फूटा कांग्रेस का

छिन्दवाड़ा । पांढुरना ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर महिला कांग्रेस समस्त कांग्रेस संगठन द्वारा विधायक नीलेश उईके की उपस्थिति में तीन शेर चौक से लेकर रेलवे स्टेशन तक पैदल रैली निकालकर जय-जय कमलनाथ के नारे के साथ रेलवे स्टेशन पहुँच ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में प्रमुख मांगे रखी गई कोविड काल के समय ट्रेनों के स्टॉपेज बंद किए गए थे जो की आज तक दोबारा शुरू नही किए है व अमरावती रोड पर ओवर ब्रिज बनाया जाए जिसकी मांग लम्बे समय से की जा रही है.

विधायक नीलेश उईके और उनके समर्थकों का कहना है अगर जल्द ही पांढुर्णा रेलवे स्टेशन पर 15 ट्रेनें सहित दादा धाम एक्सप्रेस का स्टॉपेज नहीं शुरू किया गया तो आने वाले 15 दिन के भीतर बड़ा उग्र आंदोलन आम जनता के साथ रेलवे स्टेशन परिसर में किया जाएगा। वही अमरावती रोड स्थित रेलवे ओवर ब्रिज की मांग भी समस्त कांग्रेस पदाधिकारियों एवं नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से की विधायक निलेश उईके और पांढुरना नगर पालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे द्वारा चेतावनी देते हुए पाढुर्ना स्टेशन मास्टर का उपस्थिति मे रेल मंत्री सहित रेलवे के जी. एम. व डी. आर .एम. के नाम ज्ञापन सौंपा।

विधायक नीलेश उइके का कहना है कि भाजपा सरकार एवं रेलवे विभाग द्वारा पांढुरना शहर के साथ बड़ा भेद -भाव किया जा रहा है । जहां कोविड काल के पहले आने जाने वाली 15 से अधिक ट्रेन के स्टॉपेज थे। और दादा धाम एक्सप्रेस नागपुर से खंडवा के बीच चलती थी। लेकिन पांढुर्ना रेलवे स्टेशन एवं पांढुर्णा की जनता के साथ रेलवे विभाग द्वारा बड़ा भेद-भाव किया जा रहा है। अगर जल्दी समस्त पांढुर्णा से गुजरने वाली जो कोविड़ काल के पहले ट्रेनों का पांढुरना रुका करती थी उन ट्रेनों का स्टॉपेज रेलवे विभाग द्वारा जल्द शुरू नहीं किया गया तो आमरण अनशन रेलवे स्टेशन परिसर में होगा जिसकी जवाबदारी समस्त रेलवे विभाग प्रशासन की होगी.

लाड़ली बहनों से भाजपा की खुली लूट जारी है: कांग्रेस

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने मोदी सरकार का फूंका पुतला

रसोई गैस सिलेंडर सड़क पर रखकर बताई व्यथा

छिन्दवाड़ा । प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहना योजना का खूब ढिंढोरा पीटकर आमजन को गुमराह कर रहे हैं, जबकि प्रदेश की लाड़ली बहनों के साथ भाजपा की खुली लूट जारी है, दिन पर दिन इस लूट में इजाफा हो रहा है। विगत 18 वर्षों से भाजपा की सरकार केवल आम आदमी को लूट रही है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि महंगाई आसमान छू रही है। बढ़ती महंगाई से सम्पूर्ण सामाजिक ताना बाना छिन्न भिन्न हो चुका है, मामा की बहनों के घरों की रसोई में रखी सम्पूर्ण खाद्य सामग्री व रसोई गैस सिलेंडर के दाम आम आदमी की पहुंच से दूर हैं।प्रदेश व केन्द्र की भाजपा सरकार की गलत नीतियों के चलते आज हर आमोखास महंगाई की मार झेल रहा है। हाल ही में रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 50 रुपये मूल्य वृद्धि कर दी गई यह प्रदेश की सभी बहनों के साथ भाजपा की लूट नहीं तो और क्या है। स्वयं को प्रदेश की बहनों का मामा करने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहनों को योजना का लाभ देने से पहले ही उन्हीं की जमा पूंजी से मूल्य वृद्धि कर राशि निकाल ली। यही भाजपा का असली चेहरा और चरित्र है जो समय के साथ सामने आ रहा है। भाजपा के द्वारा लगातार बढ़ाई जा रही महंगाई के खिलाफ आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी निगम ग्रामीण के तत्वावधान में नोनिया करबल में केन्द्र सरकार का पुतला फूंका और भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी निगम ग्रामीण के तत्वावधान में आयोजित पुतला दहन के दौरान पुलिस और प्रशासन ने केन्द्र सरकार का पुतला फूंकने से रोका किन्तु कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।आयोजित पुतला दहन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी निगम ग्रामीण अध्यक्ष दिगम्बर ठाकरे, समन्वयक भैयाजी शिवारे, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहके, सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले, कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष चौधरी, चैतराम पाल, रिजवी हसन, हेमबाबू राजपूत, विजेन्द्र भार्गव, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश गढ़ेवाल, बंटी सोनी, गुलाबराव हिवसे, वंदना नागवंशी, जित्तू सेमेकार व अरविंद पटेल सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

लाडली बहना योजना में नहीं लगेगा आय और निवास प्रमाण पत्र

लेकिन लोकसेवा केन्द्रों में हजारों आवेदन

छिंदवाड़ा । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा लाडली बहना योजना लागू की गई है जिसको लेकर पहले महिलाओं के निवास और आय प्रमाण पत्र की जरूरत बताई गई थी लेकिन जिस मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस योजना की शुरूआत की उसी दिन उन्होने अपने भाषण में यह भी स्पष्ट कर दिया कि महिलाओं को इस योजना का लाभ लेने के लिए निवास और आय प्रमाण पत्र देने की जरूरत नहीं है। इस योजना में पहले निवास और आय प्रमाण पत्र की अनिवार्यता बताई गई थी जिसके चलते लोकसेवा केन्द्रों में हजारों की संख्या में निवास और आय बनाने लोगों की कतार लग गई इस सेवा को एक दिन में ही देने का नियम है लेकिन केन्द्र संचालक बड़ी संख्या में आवेदन आने के कारण नहीं दे पाए और उनके पास निवास और आय बनाने का अंबार लगा हुआ है। इस संबंध में जब एसडीएम अतुल सिंह से पूछा गया तो उन्होने कहा कि वे लोकसेवा केन्द्र के संचालक को आय और निवास प्रमाण पत्र बनाने आवेदन लेने के लिए नहीं कहेंगे ये दस्तावेज अन्य कार्यो के लिए भी लगते हैं उन्होने कहा कि लाडली बहना योजना के लिए महिलाओं को अब निवास और आय प्रमाण पत्र बनाने की जरूरत नहीं है। बहरहाल निवास और आय प्रमाण पत्र का आवेदन करने वाली महिलाओं का कहना है कि वे जानकारी नहीं होने से परेशान हो रहीं थीं।

इनका कहना

लाडली बहना योजना के लिए महिलाओं को निवास और आय प्रमाण पत्र बनवाने की जरूरत नहीं है अन्य दस्तावेज से उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा।

अतुल सिंह,
एसडीएम छिंदवाड़ा।

भाषा का सही उच्चारण ही अच्छे वक्ता की पहचान होती है: डॉ राणा

छिंदवाड़ा । उच्च शिक्षा विभाग विश्व बैंक परियोजना अंतर्गत शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ.पी आर चन्देलकर के मार्गदर्शन में अंग्रेजी विभाग द्वारा व्याख्यानमाला के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर अंग्रेजी भाषा का सटीक उच्चारण विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ डॉ. एस पी एस राणा एसके पी शासकीय पीजी कॉलेज देवास के द्वारा अंग्रेजी भाषा में स्वर के उच्चारण की रोचक तरीके से पर प्रकाश डाला गया। इस व्याख्यानमाला में अंग्रेजी साहित्य के छात्र छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। जानकारी देते हुए अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक और आयोजन के संयोजक डॉ. पी. एन .सनेसर ने बताया की पीजी कक्षा के सिलेबस में अंग्रेजी भाषा के पेपर में भाषा उच्चारण संबंधी बारीकियां सीखने को मिलती है , इंटरनेशनल फोनेटिक अल्फाबेट उनसे से एक है जिसकी जानकारी से अंग्रेजी भाषा का सही उच्चारण किया जा सकता है इसी विषय पर प्रो राणा ने विद्यार्थियों को व्यवहारिक तरीके से भाषा उच्चारण की बारीकियां सिखाई । प्रो तृप्ति मिश्रा द्वारा विषय विशेषज्ञ का परिचय करवाया गया एवम् विभागाध्यक्ष डॉ. दिप्ती जैन के द्वारा व्यञ्जन एवम स्वर के अंतर एवं शब्दों में इनके महत्व को समझाते हुए आभार प्रदर्शन किया गया साथ ही श्रीमती नीलिमा सोनी व नवनीत भाटिया ने सहयोग प्रदान किया मंच संचालन एम ए अंग्रेजी के विद्यार्थी मनुज्य घोष द्वारा किया गया ।

भाजपा नगर मंडल दो की काम काजी बैठक

छिंदवाड़ा06मार्च(जनपक्ष)। शक्ति केंद्र प्रभारी ,संयोजक एवं मंडल सहित समस्त मोर्चा के पदाधिकारी हुए उपस्थितभाजपा नगर मंडल दो अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने बताया कि भाजपा प्रदेश संगठन निर्देशानुसार बूथ विस्तारक योजना 2.0 के क्रियान्वयन को लेकर आज भाजपा नगर मंडल दो कि विशेष कामकाजी बैठक भाजपा जिला अध्यक्ष विवेक बंटी साहू की अध्यक्षता में जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई।

विष्णुपुरी नं. 2 में सीटू ने ली गेट मीटिंग

परासिया । लाल झंडा कोल माईंस मजदूर यूनियन सीटू लगातार एक मार्च से सभी खदानों में पहुंचकर गेट मीटिंग लेकर कामगारों को संबोधित कर रही हैं। सोमवार को सुबह की पाली में पेंच क्षेत्र कि विष्णुपुरी माईन नंबर दो में जाकर ग्यारहवां वेतन समझौता लागू करने में प्रबंधन द्वारा किए जा रहे देरी पर घेरा,साथ ही वर्तमान केन्द्र सरकार जानबूझकर सम्मानजनक वेतन समझौता कोयला कामगारों को देना नहीं चाहती और लेट लतीफी कर रही हैं। जिसके लिए कामगारों को एकजुट होकर संघर्ष खड़ा कर सही समय पर तैयार होने आह्वान किया। वेतन समझौता देने में डीपीई की गाईड लाईन की रेखा खींची गई थी, उस पर सीटू युनियन के जेबीसीसीआई सदस्य द्वारा सभी श्रम संगठनों के प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी बात रखी की उपरोक्त गाइड लाइन समझौता में अवश्य रोड़ा आयेंगी, आज वह सामने आ गई। जिसके चलते कोयला उद्योग के कामगारों के वेतन समझौता में उन्नीस प्रतिशत एमजीबी पर बात बनने के बावजूद देरी हो रही हैं।अगली बैठक में फैसला नहीं होती हैं तो, मजदूरों को हड़ताल पर भी जाना पड़ेगा। सभी वक्ताओं ने केन्द्र सरकार को भी आड़े हाथों लिया कि श्रम कानूनों में बदलाव और संशोधन कर मालिकों को राहत देने वाली नीतियों को लागू करने कोड बिल पास कर रही हैं। जिसके खिलाफ आवाज बुलंद करने पांच अप्रैल को दिल्ली में महारैली में लाखों कि संख्या में शामिल होने कामगारों को आह्वान और संबोधित किया। गेट मीटिंग में सीटू युनियन के पेंच कन्हान अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, महासचिव मीरहसन, सचिव अशोक भारती, वरिष्ठ सचिव मार्कंडेय मिश्रा, उपाध्यक्ष संतोष साहू, बिंदादीन, रामविलास यादव, फिरोज खान, तथा विष्णुपुरी शाखा के पदाधिकारी सहित सभी कामगार उपस्थित रहे।

होलिका दहन हेतु कण्डे का स्टॉल एवं पलाश के फूलों से बना रंग

छिंदवाड़ा । जिला कलेक्टर शीतला पटले के आदेशानुसार, जिला पशु चिकित्सालय के उप संचालक डॉ. पक्षवार और डॉ. टांडेकर के निर्देश पर सन्तआशारामजी गौशाला खजरी ने शहर में जगह-जगह स्टॉल लगाकर होलिका दहन हेतु कण्डे उपलब्ध करवाए। कण्डे से होलिका दहन सम्पूर्ण पर्यावरण शुद्ध होता है और जंगलों की अनावश्यक कटाई पर भी रोक लगती है। गाय के गोबर से बने कण्डे से होलिका दहन की हमारी वैदिक परम्परा भी है । गत कई वर्षों से पूज्य बापूजी की गौशाला प्रति वर्ष हजारों की संख्या में कण्डे का निर्माण कर आम लोगों को उचित मूल्य पर एवं अन्य धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों को नि:शुल्क भेंट करती है । होलिका दहन के समय ऋतु परिवर्तन होता है। ठंड का मौसम समाप्त होकर ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ होती है। इस दौरान सर्दी , जुखाम , बुखार के मरीजों की अधिकता रहती है। कण्डे के होलिका दहन से वातावरण में फैले विषैले कीटाणुओं का भी अंत होता है। होलिका दहन के बाद धुरेड़ी का पर्व मनाने की परंपरा है। आम जनमानस को केमिकल रंगों से होने वाली हानि से बचाने हेतु पलाश के फूलों से बने रंगों के पैकेट नि:शुल्क वितरित किये गए। जिला जेल अधीक्षक को एवं सभी बंदियों के लिए एवं अन्य कई धार्मिक संगठनों को भी पलाश के फूलों से बने रंगों के पैकेट भेंट किये । इसे वैदिक होली कहतें हैं । शास्त्रों में आता है कि पलाश के फूलों से बने रंग से होली खेलने से कालसर्प योग से मुक्ति मिलती है। वहीं त्वचा के कई रोगों से छुटकारा तथा वात , पित्त और कफ जनित बीमारियों से भी राहत मिलती हैं । पूज्य बापूजी के देशभर में 550 आश्रम हैं। सभी आश्रमों में गौशाला होती ही है। इस प्रकार की सेवा सभी जगह हो रही है । इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन , साध्वी प्रतिमा बहन , समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई , आदि ने अपनी- अपनी सेवाए दीं ।

पर्यावरण सुरक्षा से जीवन रक्षा का दिया संदेश

कमलनाथ व नकुलनाथ ने दी होली एवं धुरेंडी पर्व की शुभकामनायें

छिन्दवाड़ा । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं छिन्दवाड़ा सांसद नकुलनाथ ने जिले व प्रदेशवासियों को होली व धुरेंडी पर्व की हृदय से हार्दिक शुभकामनायें दी है। धुरेंडी के रंग और होली की उल्लास समस्त जनमानस के जीवन में आये। युवा अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करें यही कामना नेताद्वय ने ईश्वर से की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि संस्कारधानी हमारा छिन्दवाड़ा जिला साम्प्रदायिक एकता एवं कौमी एकता की मिशाल है, यहां प्रत्येक तीज और त्योहार को सभी भाईचारे के साथ मिलजुल कर मनाते हैं। छिन्दवाड़ा कौमी एकता की मिसाल है, यहां से पूरे प्रदेश को भाईचारे का संदेश प्राप्त होता है।

बेसहारा बिटिया की शादी में पहुंच, भेंट की उपहार सामग्री

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा क्षेत्र की एक ग्रामीण बेसहारा बिटिया के परिवार की कमी को नटनी माई सेवा समिति ने पूरा किया है। बताया जा रहा है कि ग्राम सकरवाडा में निवासरत बंजारा समाज की एक बिटिया जिसके पिता नहीं है और मां मानसिक रूप से विक्षिप्त है। बिटिया के समाज से जुड़े एक ग्रामीण के आग्रह पर समिति के सदस्यों ने मिलकर मदद करने की योजना बनाई। रविवार को सामाजिक बंधुओं के सहयोग से बिटिया की शादी ग्राम में की जा रही थी। इसी बीच समिति के सभी सदस्यों ने पहुंचकर बिटिया को कहा की चिंता ना करो बिटिया इतना बड़ा परिवार है देखरेख के लिए। हम सब तुम्हारे साथ हैं। इस अवसर पर सभी समिति के सदस्यों ने बिटिया के पैर धोकर कन्यादान की रस्म को पूरा करते हुए लगभग 27 हजार रुपयों की उपहार सामग्री भी भेंट की। विदित हो कि समिति लगातार क्षेत्र भर में जरूरतमंदों और असहायों की मदद करती रही है।

यह रहे मौजूद- इस पुनीत अवसर पर समिति के संरक्षक बालकिशन साहू,रामस्वरूप पटेल,श्रीमती संध्या राय,श्रीमती माया पाठक,श्रीमती गौरा मडावी, श्रीमती ठाकुर,कन्हैया लाल ठाकुर,समिति के अध्यक्ष अरुण बूटी नेमा,समिति संरचना कार राधेश्याम सोनी,समिति के कोषाध्यक्ष गणेश साहू, सलाहकार श्याम चौरसिया,विनोद साहू,गोपाल राय,धनराज सिंह चंदेल,सालक राम यादव की उपस्थिति रही।

यह भेंट की उपहार सामग्री- गोदरेज, कूलर, पलंग, गद्दा रजाई, चादर तकिया, 1 जोड़ी चांदी की बिछिया, कूकर, टंकी स्टील,पिंजरा,जर्मन डिब्बा,स्टील गुंडी सहित सभी सदस्यों ने 1100 रुपए नगद भेंट किए।

बादल भोई की जन्मस्थली तीतरा जाएंगे गृहमंत्री अमित शाह

आदिवासियों को साधने में जुटी भाजपा, छिंदवाड़ा जिले में साढ़े 5 लाख आदिवासी वोटर

छिंदवाड़ा। लोकसभा क्षेत्र छिंदवाड़ा में आदिवासियों की जनसंख्या 8 लाख से अधिक है, जबकि मतदाता साढे 5 लाख है। जो कि ओबीस की आबादी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। यहां एसटी की तीनों विधानसभा में कांग्रेस के विधायक है। जबकि छिंदवाड़ा नगर निगम महापौर भी कांग्रेस के हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में आदिवासी उम्मीदवार उतारने के बाद भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था। अब भाजपा आदिवासियों को साधने में जुटी है।

19 मार्च को आगमन लगभग तय

पिछले करीब दो माह से जिले में गृहमंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर तैयारियां हो रही । अब 19मार्च को गृहमंत्री का छिंदवाड़ा दौरा भी लगभग तय माना जा रहा है। श्री शाह विशेष विमान से छिंदवाड़ा पहुंचेंगे, यहां से वे हेलिकाप्टर के जरिए बादल भोई की जन्म स्थली ग्राम तीतरा पहुंचेंगे। जहां बादलभोई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर जनसभा को संबोधित करेंगे। वे जिला मुख्यालय के पुलिस ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ भी उनकी मीटिंग का कार्यक्रम भेजा गया है।

मोदी का बढता प्रभाव कांग्रेस को भारी पड़ेगा

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। नरेन्द्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने है, उनका प्रभाव बढ़ते ही जा रहा है, केन्द्र सरकार विकास संबंधी योजनाओं का असर आम जनता में पड़ रहा है, युवा वर्ग मोदी का बड़ी मात्रा में समर्थक है, उज्जवला योजना में गैस महिलाओं को फ्री मिले, सबसे बड़ी बात गैस सिलेण्डर के साथ यह कि अब लाईन लगाने की जरूरत नहीं है, एक सिलेन्डर मांगो तो दो मिल रहे हैं, गैस सिलेन्डर के भाव जरूर बढ रहे है, महंगाई का हल्ला सिर्फ नेता करते है, किन्तु गैस सिलेन्डर जैसे आवश्यक वस्तुओं के लिए अब घर वालों को टेंशन नहीं रहता है, सबसे बड़ी उपलब्धि है, उपलब्धता जैसे पेट्रोल डीजल मिल रहा है, यदि सस्ता राशन कर दिया जावे तो कालाबाजारी बढ जावेगी, दो पहिया वाहन अब हर व्यक्ति की आवश्यकता हो गई है, मजदूर भी अपने गांव से दो पहिया वाहनों से आते है, लोगों की आय भी बढ रही है, इसीलिए महंगाई कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा का राष्ट्रवाद व मोदी का लोकप्रियता कांग्रेस को नुकसान पहुंचायेगी, पिछली लोकसभा में एक अजनबी आदिवासी को भाजपा ने खड़ा किया तो चार विधानसभा कांग्रेस को हारनी पड़ी। भाजपा नेता का कहना है कि एक वर्ष पहले प्रत्याशी घोषित हो जावे तो कांग्रेस की मुश्किले बढ़ सकती है अमित शाह के आने से जिले में फर्क पड़ेगा क्योकि मोदी के बाद अमित शाह का नाम ही दबंग नेताओं में है।

केन्द्रीय नेतृत्व के टारगेट में छिंदवाड़ा सीट

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट को पहले ही भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व ने देश की उन 143 सीटों में शामिल कर रखा है जहां या तो उन्हें जीत नहीं मिल पाई है या उस सीट पर वे एक बार ही जीत पाए हैं। ऐसे में केन्द्रीय मंत्रियों को इन सीटों की जिम्मेदारी दे रही है। केंद्रीय मंत्र गिरिराज सिंह अब तक 6 दिन यहां प्रवास कर चुके हैं। आगे भी यहां मंत्रियों व वरिष्ठ नेताओं का आना जाना लगा रहने वाला है।

होली के बाद होगा वरिष्ठ नेताओं का कैंप

गृहमंत्री श्री शाह के आगमन की तैयारियां तो पहले से चल रही है। लेकिन अब तारीख लगभग तय होने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का यहां कैंप होने वाला है। होली के बाद यहां वरिष्ठ नेता कैंप कर सकते हैं। गृहमंत्री के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते, भजपा प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा का भी आगमन यहां होने वाला है।

अष्टान्हिका महापर्व पर स्वाध्याय भवन में बह रही अध्यात्म की गंगा

छिन्दवाड़ा । जीवन मे सुखी होना हो अथवा अपने लक्ष्य की पूर्ति करना हो तो कभी भी आयोजन में प्रयोजन को न भूलें, फिर वह कार्य लौकिक हो या पारलौकिक उक्त मार्मिक उदगार स्वाध्याय भवन गोल गंज में अष्टान्हिका महापर्व पर चल रहे मंगल प्रवचनों में कही मंगलायतन अलीगढ़ से पधारे पण्डितश्री अशोककुमारजी लुहाड़िया ने।फाल्गुन शुक्ल चतुर्दशी सोमवार के शुभ दिन सकल जैन समाज के साथ श्री दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के जिनशासन सेवकों ने अष्टान्हिका महापर्व के अष्टम दिवस पर विधानाचार्य पण्डितश्री कांतिलालजी जैन इंदौर के सानिध्य में अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ जिनालय में श्री जिनेन्द्र पूजन के साथ श्री नन्दीश्वरदीप पूजन कर श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान के माध्यम से अनन्त सिद्ध परमेष्ठी भगवंतों का गुणगान कर स्वाध्याय भवन में माँ जिनवाणी का रसपान किया। जिसमे श्री लुहाडियाजी ने कहा कि अष्टान्हिका पर्व पर हम सब आठ दिनों से विधान के माध्यम से श्री सिद्ध परमेष्ठी भगवंतों का गुणगान कर रहे हैं जिसका मुख्य उद्देश्य हम सबको उनके जैसा बनना है, उन्होंने जिस मार्ग पर चलकर परिपूर्ण सुख स्वरूपी सिद्ध दशा की प्राप्ति की वह मार्ग हमें भी अपनाना है। इस सारे आयोजन का एक ही प्रयोजन है कि हम सब संसार परिभ्रमण का अंत कर पूर्ण सुखी हो जावें ओर यह सुंदर मार्ग पूजन, विधान सहित शास्त्र स्वाध्याय का फल होना चाहिए। रात्रि कालीन प्रवचनों में सकल समाज ने युवा विद्धान पण्डितश्री अनुभवजी शास्त्री करेली की कक्षा में जैन दर्शन का क्रमिक अध्यन किया।

कल होगी विधान की पूर्णता -फेडरेशन सचिव दीपकराज जैन बताया कि आठ दिनों से चल रहे अष्टानिका महापर्व का समापन आज फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा को होगा। कल चैत्र कृष्ण एकम बुधवार के शुभ दिन प्रात: 7 बजे से श्री आदिनाथ जिनालय में मण्डल एवं फेडरेशन द्वारा नौ दिनों से चल रहे श्री सिद्धचक्र विधान की पूर्णता कर विश्व शांति की मंगल भावना के साथ शांति जाप की जावेगी पश्चात मंगल महोत्सव के साआनन्द संम्पन्न होने की खुशी में वीतराग भवन में 12 बजे से साधर्मी वात्सल्य का आयोजन रखा गया है। समस्त अनुष्ठानों में सभी सहयोगियों सहित सकल जैन समाज को मण्डल एवं फेडरेशन द्वारा आमंत्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री शिवरा ज सिंह चौहान ने आज महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं के साथ वृक्षारोपण किया। उनका कई संगठनों ने स्वागत किया।

होलिका दहन की तैयारियां, गोद में प्रहलाद को लिए होलिका की प्रतिमाएं और गुलरियां। दूसरी ओर शहर में होली की मौज मस्ती शुरू हो गई है। होली पर घर जाने वाले छात्र-छात्राओं की मस्ती का दौर जारी है।

होली के टेसू

(मेरे पड़ोस का वृक्ष)

होली के आगमन पर टेसू अपने रंग में खिलखिला उठता है। इसे पलाश ,छूल,परसा, ढाक, और किंशुक भी कहते हैं। इसे बहुतों ने देखा, परन्तु रीति क़ालीन महाकवि सेनापति ने इसे हृदय की गहराइयों से अनुभव किया और कहा-

लाल लाल टेसू फूलि रहे हैं बिलास संग,
स्याम रंग मयी मानो मसि में मिलाए हैं।
तहाँ मधु-काज आइ बैठे मधुकर पुंज,
मलय पवन उपवन - बन धाए हैं।

- एनके त्रिपाठी

मिलावट की आशंका में चार लाख रुपये का 20 क्विंटल दुग्ध उत्पाद व दूध जब्त

भोपाल। होली के त्योहार को देखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदेश भर में 20 क्विंटल दुग्ध उत्पाद व दूध जब्त किया है। मिलावट की आशंका पर यह कार्रवाई की गई है। दो से छह मार्च के भीतर प्रदेश में दूध एवं दुग्ध उत्पादों के ढाई हजार सैंपल लिए गए हैं।

इसमें सबसे ज्यादा दूध के सात सौ सैंपल, मावा के 253, घी के 154 और अन्य दुग्ध उत्पादों के सात सौ से ज्यादा सैंपल हैं। दो व्यापारियों के पंजीयन निलंबित किए गए हैं, जबकि तीन मामले में न्यायालय में प्रकरण दर्ज किया गया है। सोमवार को प्रदेश में पांच सौ से ज्यादा सैंपल लिए गए।

इनमें वैधानिक सैंपलों के अलावा, निगरानी, मोबाइल वैन और मैजिक वाक्स द्वारा लिए गए सैंपल शामिल हैं। मंगलवार को भी सैंपल लिए जाएंगे। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चलित खाद्य प्रयोगशाला और मैजिक बाक्स के माध्यम से सैंपलों की मौके पर ही जांच की जा रही ही है। राजगढ़ में पनीर फैक्ट्री में पाम आयल मिला है, जिसे जब्त कर लिया गया है। इसकी कीमत लगभग 36 लाख रुपये है। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डा. सुदाम खाड़े ने कहा कि पहली बार त्योहार पर इतनी बड़ी संख्या में सैंपल लिए गए हैं।

सास ने 3 बहुओं के साथ परीक्षा दी, पढ़ना-लिखना सीखी

नालंदा। नालंदा की एक वृद्ध महिला अपनी तीन बहुओं के साथ परीक्षा देने गई। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसा क्यों किया। इस महिला ने इस परीक्षा को जीवन का अहम क्षण भी बताया। सास को इस बात की खुशी है कि वे हस्ताक्षर करना और हिंदी पढ़ना-लिखना सीख गई हैं।

हमेशा कहा जाता है कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती। जब मन हो, आप परीक्षा दे सकते हैं। लेकिन, सास, बहुओं का इस तरह एक साथ परीक्षा देना एक दिलचस्प घटना है। लोग इसकी सराहना कर रहे हैं।

बिहार के नालंदा में 3 बहुओं के साथ सास भी परीक्षा देने पहुंच गई। राज्य की 'अक्षर आंचल योजना' के तहत चलाए जा रहे बुनियादी साक्षरता केंद्रों की नवसाक्षर महिलाओं की परीक्षा का आयोजन किया गया था। जिसमें चंडी के एक केंद्र का नजारा ही कुछ अलग था। यहां तीन बहुओं के साथ उनकी सास भी परीक्षा देने आई।

डीपीओ अनिल कुमार ने बताया कि जिले में संकुल स्तर पर 105 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा ली गई। इनमें 10 हजार 980 नवसाक्षर महिलाओं को शामिल होना था। लेकिन, 9 हजार 698 महिलाओं ने ही परीक्षा दी। चंडी मध्य विद्यालय केंद्र पर तीन बहुओं के साथ सास ने परीक्षा दी।

प्रखंड में 740 नवसाक्षर महिलाओं को परीक्षा में शामिल होना था। लेकिन, 547 ने ही परीक्षा दी। परीक्षा दे रहीं तीन बहुओं की सास स्वारती देवी ने कहा कि अपना हस्ताक्षर करने और हिन्दी पढ़ने-लिखने का ज्ञान हासिल हो चुका है। इस परीक्षा में शामिल होकर काफी खुशी हो रही।

मंत्रियों को सख्त चेतावनी और जिलों के प्रभार बदलने पर चर्चा

भोपाल। भाजपा विधानसभा चुनाव को लेकर कोई रिस्क लेना नहीं चाहती। यही कारण है कि चुनाव से 8 महीने पहले अपनी गलतियों सुधारने में लगी है। विधायकों को जनता से जुड़ने की सलाह देने और टिकट कटने की चेतावनी देने के बाद अब मंत्रियों को समझाइश दी गई। पार्टी संगठन ने मंत्रियों की क्लास लेकर उन्हें 8 पाइंट में हिदायत दी। कहा गया कि संगठन के कामों को प्राथमिकता दें और जिले के प्रभार वाले इलाकों में जाएं वहां के कार्यालय जाएं और संगठन के अध्यक्ष से जरूर मिलें।

इस बैठक में इस बात पर भी सहमति जताई गई कि मंत्रियों को उनके क्षेत्र के आसपास के जिलों प्रभारी बनाया जाए। अभी कई मंत्रियों के पास दो जिलों के प्रभार हैं, जो काफी दूर हैं। बताया गया कि होली के बाद मंत्रियों के प्रभार वाले जिलों में बदलाव किया जाएगा। निगम, मंडल और बोर्ड में जो खाली जगह हैं, उन्हें भरा जाएगा। मंत्रिमंडल पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई कि विधानसभा सत्र के बाद ये कार्य किया जाएगा।

रविवार सुबह भाजपा कार्यालय में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा भी इसमें मौजूद रहे। मंत्रियों को संगठन की तरफ से स्पष्ट कहा गया कि यदि हम सरकार में हैं, तो संगठन और कार्यकर्ताओं की वजह से। आप मंत्री हैं तो संगठन के कामों को प्राथमिकता दें।

कहा गया कि पार्टी जो भी कार्यक्रम दे उसे गंभीरता से और समय से पूरा करें। हर हालत में कार्यकर्ताओं की नाराजी दूर करने की कोशिश करें। क्योंकि, कार्यकर्ताओं का संतुष्ट होना बहुत जरूरी है। जो मंत्री संगठन के कामों में गंभीरता नहीं दिखाएंगे, आगे होने वाले खामियाजे के वे खुद जिम्मेदार होंगे।

8 पॉइंट जिन पर मंत्रियों को सलाह दी

- कोर कमेटी की बैठक में हर महीने उपलब्ध रहें।
- अपने प्रभार वाले जिलों में एक रात जरूर गुजारें।
- जिले के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ कभी भोजन का आयोजन भी करें।
- जिले में प्रवास के दौरान जिला कार्यालय जाकर जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों से चर्चा करें, इसके बाद सरकारी बैठकों में जाएं।
- जिले के 2-3 ऐसे कार्यकर्ताओं के मोबाइल नंबर ध्यान में रखें, ताकि जरुरत पड़ने पर वे आपसे सीधे बात कर सकें।
- जिले में होने वाली सरकारी नियुक्तियां जल्द से जल्द पूरी करें।
- सामाजिक संस्थाओं और किसी संगठन के कार्यक्रम में सहमति देने से पहले स्थानीय जिला अध्यक्ष से चर्चा करें।

संगठन के कार्यक्रमों को प्राथमिकता से पूरा करें।

मंत्रियों ने दिया प्रभार के जिलों के प्रवास का रिपोर्ट कार्डः बैठक के बाद मंत्रियों ने बताया कि काफी सार्थक चर्चा हुई। मंत्रियों ने अपने प्रभार के जिलों के प्रवास की जानकारी दी है। सभी मंत्रियों को प्रभार के जिलों में प्रवास बढ़ाने को कहा गया है। कई मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने प्रभार के जिलों की दूरी ज्यादा होने की परेशानी बताई है। मंत्रियों के अनुरोध पर जल्द ही प्रभार के जिलों में बदलाव भी किया जाएगा।

निगम-मंडलों पर भी चर्चाः भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को सम्मानजनक जगह पर स्थान देने पर भी चर्चा हुई। खाली पड़े निगम-मंडल, बोर्ड में नेताओं को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य नियुक्त करने पर भी चर्चा हुई। विधानसभा सत्र खत्म होते ही इसकी लिस्ट जारी हो सकती है।

मंत्रिमंडल विस्तार भी जल्द संभवः बैठक में हुई चर्चा के मुताबिक, विधानसभा के बजट सत्र के बाद कैबिनेट में भी फेरबदल किया जा सकता है। कई मंत्रियों के विभाग बदले जाएंगे। मालूम हो कि मंत्रिमंडल में चार पद खाली हैं। इन पर भी नियुक्तियां की जा सकती है। कुछ मंत्रियों के विभाग भी बदले जा सकते हैं। कुछ मंत्रियों को हटाया भी जा सकता है।

प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष प्रभात झा ने छात्र जीवन के मित्र एवं मध्यप्रदेश सीपीएम के वरिष्ठ नेता प्रमोद प्रधान एवं जसविंदर सिंह से भोपाल स्थित निवास पर सौजन्य भेंट की।

पहली अप्रैल से सभी शराब अहाते बंद, नई दुकान भी नहीं खुलेगी !

धार। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने धार जिले के मनावर के समीप बालीपुरधाम में मंच से उन्होंने मंच से संबोधित करते कहा कि प्रदेश को नशे से मुक्त बनाना है। इसी के चलते उन्होंने निर्णय लिया है कि 1 अप्रैल से प्रदेश के सभी अहाते बंद करवा दिए जाएंगे। प्रदेश में अब कोई भी नई शराब दुकान भी नहीं खुलेगी।

मुख्यमंत्री सबसे पहले गजानंद महाराज के 103वें जन्म उत्सव में शामिल हुए। अंबिका धाम आश्रम में वे उनकी पत्नी साधना सिंह सहित पहुंचे और योगेश महाराज का आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे समारोह स्थल पर आए और नशा मुक्ति कार्यक्रम में शामिल हुए। शिवराज सिंह चौहान ने मंच से लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने मंच से बोलते हुए कहा कि नशा व्यक्ति का नाश कर देता है। इससे परिवार भी प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को नशे से मुक्त बनाना है। इसी के चलते उन्होंने बड़ा निर्णय लिया कि 1 अप्रैल से मध्य प्रदेश के सभी अहाते बंद करवा दिए जाएंगे। उन्होंने इस दौरान 'लाडली बहना योजना' के बारे में भी लोगों को विस्तार से बताया।

इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री डॉ प्रभुराम चौधरी, उद्योग मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, रंजना बघेल, सांसद छतरसिंह दरबार सहित जिले के नेता, अधिकारी और बडी संख्या में मनावर क्षेत्र के लोग शामिल हुए। वहीं सीएम शिवराज सिंह चौहान ने 'पैसा एक्ट' में तहत मोबाईल लाईजरों के साथ भी बातचीत की।

केंद्र में 5 आईएएस सहित एक दर्जन अधिकारी ज्वाइंट सेक्रेट्री नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आज 5 आईएएस सहित एक दर्जन अधिकारियों को ज्वाइंट सेक्रेट्री नियुक्त किया है। गरिमा श्रीवास्तव् को सेक्रेट्री एग्रीकल्चर साइंटिस्ट रिक्रूटमेंट बोर्ड बनाया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में कर्नाटक कैडर के 2000 बैच के अधिकारी पी हेमलता को कोचीन स्पेशल इकोनामिक जोन कोचीन में डेवलपमेंट कमिश्नर, 2004 बैच की पलका साहनी को ज्वाइंट सेक्रेट्री खाद्य और सार्वजनिक वितरण, 1998 बैच के आईएएस अधिकारी आराधना पटनायक को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग में, 1994 बैच की आईआरएएस अधिकारी मुक्ता शेखर को जॉइंट सेक्रेटरी हैवी इंडस्ट्रीज, अनिल सुब्रमण्यम को ज्वाइंट सेक्रेट्री होम अफेयर्स, कमल किशोर सौन झारखंड कैडर को ज्वाइंट सेक्रेट्री लेबर और एंप्लॉयमेंट, नितिन कुमार शिवदास खाडे आईएएस 2004 बैच आसाम केडर को जॉइंट सेक्रेटरी लैंड रिसोर्सेस, विनोद कुमार नानूकुट्टन को मॉर्म्युगाओ पोर्ट अथॉरिटी गोवा का चेयर पर्सन, 1990 बैच की आईएएस हिमानी पांडे को ज्वाइंट सेक्रेट्री इंडस्ट्री एंड ट्रेड, तनूजा ठाकुर खालको को ज्वाइंट सेक्रेटरी और फाइनेंसियल एडवाइजर मिनिस्ट्री आफ रूरल डेवलपमेंट, 1999 बैच के आईपीओएस अधिकारी अमरप्रीत दुग्गल को ज्वाइंट सेक्रेट्री स्कूल एजुकेशन बनाया गया है।

2 आईएएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर- केंद्र सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा में हिमाचल प्रदेश कैडर की 2013 बैच के अधिकारी देव श्वेता बानिक और इसी बैच के केरल केडर की अधिकारी मृणमई शशांक जोशी को सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के तहत 4 साल के लिए केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर लेने के आदेश दिए हैं। देव श्वेता को केंद्र में पर्सनल और ट्रेनिंग डिपार्टमेंट में डिप्टी सेक्रेटरी और मृणमई को केबिनेट सेक्रेटेरिएट में डिप्टी सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में डीओपीटी ने आदेश जारी कर दिए हैं।